विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, रविवार, 01 मार्च 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 82 | पेज- 08 | मूल्य- 5 रुपए /-

ज्ञानामृत

संसार में ऐसे लोग थोड़े ही होते हैं,जो कठोर किंतु हित की बात कहने वाले होते है

▶▶ महर्षि वाल्मीकि

मुख्यमंत्री ने दिल्ली प्रवास के दौरान की उच्चस्तरीय मुलाकातें

8 लाख किशोरियों को निःशुल्क टीका, सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदमः मोहन

विजय मत, भोपाल/नई दिल्ली

देशभर में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान की औपचारिक शुरुआत राजस्थान के अजमेर से की गई। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से जुड़ते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसे नारीशक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह अभियान किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से सुरक्षा प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एचपीवी टीका किशोरियों को भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर के खतरे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों के स्वस्थ, सुरक्षित और कैंसर-मुक्त भविष्य के लिए उन्हें टीकाकरण के लिए अवश्य भेजें।

8 लाख किशोरियों को निःशुल्क टीका

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि प्रदेश में इस अभियान के अंतर्गत लगभग 8 लाख किशोरियों को निःशुल्क टीका लगाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चरणबद्ध तरीके से स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से टीकाकरण की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित करने का संकल्प है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों तक भी टीकाकरण की सुविधा प्रभावी ढंग से पहुंचे।

महिला स्वास्थ्य पर विशेष फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाली प्रमुख बीमारियों में से एक है और समय पर टीकाकरण से इसके जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजागरूकता अभियान भी चलाएगी, ताकि भ्रांतियों को दूर कर अधिक से अधिक किशोरियों को इस सुरक्षा कवच से जोड़ा जा सके।

मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री शाह से विकास मुद्दों पर चर्चा, पार्टी नेतृत्व से भी की भेंट

इसी दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रदेश के विकास कार्यों, केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित परियोजनाओं और समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में चल रही प्रमुख योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। यह बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश संगठन और सरकार की गतिविधियों पर चर्चा हुई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने अपने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर तस्वीर साझा कर मुलाकात की जानकारी दी। इन बैठकों को प्रशासनिक और राजनीतिक समन्वय की दृष्टि से अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री की दिल्ली यात्रा को स्वास्थ्य, विकास और संगठनात्मक विषयों पर सक्रिय संवाद की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

न्यूज इन शॉर्ट

होली से पहले रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों पर बढ़ी भीड़, नई दिल्ली स्टेशन पर यात्रियों के लिए बेहतर इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। होली के नजदीक आते ही रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर भीड़ बढ़ाना शुरू हो गई है। दूर-दराज से आकर दिल्ली में काम करने वाले लोग शनिवार से ही अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना होने लगे हैं।इसको लेकर रेलवे ने भी कमर कसनी शुरू कर दी है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बैरिकेडिंग की गई है। जगह-जगह सुरक्षा के इंतजाम हैं। काउंटर बढ़ाकर लाइनें अलग-अलग कर दी गई हैं। यात्री आसानी से स्टेशन में प्रवेश कर पा रहे हैं। विशेष होल्डिंग एरिया और फर्स्ट एड बूथ बनाए गए हैं। साथ ही उत्तर रेलवे ने होली पर अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेनें फरवरी के अंत से मार्च के मध्य तक विभिन्न तिथियों में संचालित होंगी।

इंडिगो और एअर इंडिया ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी, कहा- पश्चिम एशिया की स्थिति पर रख रहे नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो एयरलाइंस ने शनिवार को यात्रियों के लिए परामर्श (एडवाइजरी) जारी किया। इसमें कहा गया कि वह क्षेत्र में बदले बदलते भू-राजनीतिक माहौल के बीच ईरान और उसे हवाई क्षेत्र से जुड़े अपडेट पर नजर बनाए हुए है। इसके अलावा, एअर इंडिया ने भी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में इंडिगो ने कहा, 'हम ईरान और उसके हवाई क्षेत्र से जुड़े अपडेट पर करीब से नजर बनाए हुए हैं।

दिल्ली में गर्मी ने जल्द दे दी दस्तक, बीते 2 साल का रिकॉर्ड टूटा, शनिवार रहा सबसे गर्म दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बारिश नहीं होने और मौसम शुष्क रहने से इस बार गर्मी ने जल्दी दस्तक दे दी है। आलम यह है कि फरवरी माह में ही गर्मी ने पसीने छुड़ा दिए हैं। ऐसे में बीते 2 साल के बाद शनिवार का दिन सबसे गर्म दर्ज किया गया। मौसम विभाग के आकंड़ों के अनुसार, साल 2025 में 26 फरवरी को दिन का तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस और 19 फरवरी 2024 में 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दूसरी ओर शनिवार को अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का भी सबसे अधिक पारा रहा।

बंगाल में कटे 5.46 लाख वोटर्स के नाम, निर्वाचन आयोग के आंकड़े जारी, नई सूची में 70.45+ मतदाता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार की गई मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 7.04 करोड़ से अधिक है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को यह जानकारी दी। अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि एसआईआर के दौरान फॉर्म-7 के जरिये 5.46 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए। वहीं, फॉर्म-6 और फॉर्म 6-ए के जरिये 1.82 लाख से ज्यादा नए मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण की प्रक्रि या के दौरान 58 लाख से अधिक गणना फॉर्म प्राप्त नहीं हो सके। इनमें मृत मतदाता, स्थानांतरिक हो चुके मतदाता और दोहराए गए नामों के मामले शामिल हैं।

प.एशिया में जंग... तेहरान से दुबई तक युद्ध की आंच

अमेरिका-इजराइल हमलों में 201 मौतें, 747 घायल

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान की ईरान रेड क्रीसेंट सोसाइटी के अनुसार अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में अब तक 201 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 747 से अधिक घायल हुए हैं। संगठन के प्रवक्ता ने मेहर न्यूज एजेंसी को बताया कि देश के 24 प्रांत इन हमलों से प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव के लिए 220 से अधिक टीमें तैनात की गई हैं और मलबे में फंसे लोगों को निकालने का अभियान जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार सुबह तेहरान सहित कई शहरों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए गए। ईरानी एजेंसियों का दावा है कि दक्षिणी क्षेत्र में एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 85 छात्राओं की मौत हुई और 45 घायल हो गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि कार्रवाई नागरिकों की सुरक्षा के लिए की गई। जवाबी कदम उठाते हुए ईरान ने इजराइल पर लगभग 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब तथा यूएई में स्थित अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। दुबई पर हमले की भी खबरें सामने आई हैं, जिससे क्षेत्रीय तनाव और गहरा गया है।

ईरान ने भी इजराइल-दुबई पर दागीं 400 मिसाइलें

अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन

इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम लियोनस् रोर (शेर की दहाड़) रखा है। ये हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में ईरान पर हमले की धमकी दी थी। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान की मिसाइलों को तबाह करने और उसके मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

कतर के अमीर ने सऊदी प्रिंस एमबीएस से फोन पर बात की

कतर के अमीर ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से फोन पर बात की और मौजूदा हालात पर चर्चा की। दोनों ने कहा कि हालात को और बिगड़ने से रोकना चाहिए और तुरंत तनाव कम कर बातचीत शुरू करनी चाहिए। सऊदी अरब ने कतर का पूरा समर्थन किया और कतर पर मिसाइल हमले की निंदा की। उसने कहा कि वह कतर की सुरक्षा के लिए हर संभव मदद करेगा।

ओमान ने तुरंत यूएनएससी की बैठक बुलाने की मांग की

ओमान ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद हालात बहुत बिगड़ सकते हैं और इसका असर पूरे इलाके पर पड़ सकता है, जिसे संभालना मुश्किल हो जाएगा। विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से तुरंत बैठक बुलाने की मांग की है, ताकि युद्धविराम कराया जा सके और दुनिया के देश खुलकर अंतरराष्ट्रीय कानून के समर्थन में खड़े हों।

फ्लाइट कैंसिल होने से मध्यप्रदेश के 100 से ज्यादा लोग दुबई में फंसे

ईरान पर इजराइल और अमेरिका की स्ट्राइक के बीच दुबई की मशहूर और दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा के पास ड्रोन हमला हुआ। हमले के बाद दुबई के सभी एयरपोर्ट्स को बंद कर दिया गया है। यहां से आने-जाने वाली सभी फ्लाइट्स अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दी गई हैं। इजराइल-ईरान जंग का असर मध्य प्रदेश के यात्रियों पर भी पड़ा है। दुबई के शारजाह से इंदौर आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX-256 रद्द हो गई है। कल की फ्लाइट IX255 (IDR–SHJ) और IX256 (SHJ–IDR) भी कैंसिल कर दी गई हैं। इससे मध्य प्रदेश के 100 से ज्यादा यात्री दुबई और शारजाह एयरपोर्ट पर फंस गए हैं। जानकारी के मुताबिक, शारजाह से इंदौर के लिए फ्लाइट यूएई टाइम के हिसाब से दोपहर 12.20 बजे निकलने वाली थी, लेकिन आखिरी मिनट में कैंसल कर दी गई। पैसेंजर्स को एयरपोर्ट पहुंचने पर इस बारे में पता चला। कई पैसेंजर्स पहले ही दुबई पहुंच चुके थे। शारजाह से इंदौर के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट्स तय थीं। वे भी वहीं फंसे हुए हैं।

भारतीयों के लिए अलर्ट, घरों में रहने की सलाह

तेहरान में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एडवाइजरी पोस्ट की है। इसमें कहा गया है, "मौजूदा हालात को देखते हुए ईरान में सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे बहुत सावधान रहें, बिना वजह घर से बाहर न निकलें और जितना हो सके घर में ही रहें। दूतावास ने आगे कहा कि भारतीय नागरिक खबरों पर नजर बनाए रखें और अगले निर्देशों का इंतजार करें। वहीं, इस्राइल में रह रहे भारतीयों के लिए भी भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने कहा है कि सभी भारतीय बहुत सावधानी बरतें और हर समय सतर्क रहें। भारतीय नागरिकों को इस्राइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है।

साणंद में माइक्रोन का सेमीकंडक्टर प्लांट का शुभारंभ

भारत तेजी से बन रहा वैश्विक चिप वैल्यू चेन का अहम हिस्साः मोदी

अहमदाबाद, एजेंसी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत तेजी से वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। उन्होंने गुजरात के साणंद में माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग और पैकेजिंग सुविधा का उद्घाटन करते हुए इसे देश की तकनीकी नेतृत्व यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर बताया। इससे पहले मोदी का रोड शो हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उमड़े और प्रधानमंत्री का स्वागत किया। यह भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत मंजूर पहला प्रोजेक्ट है, जिसकी लागत 22,500 करोड़ रुपये से अधिक है।

एआई क्रांति में सेमीकंडक्टर की अहम भूमिका है

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एआई क्रांति का दौर है और सेमीकंडक्टर इस क्रांति का प्रमुख आधार है। उन्होंने जोर दिया कि इस एटीएमपी सुविधा में व्यावसायिक उत्पादन की शुरुआत से वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की भूमिका और मजबूत होगी।

सप्लाई चेन को लेकर मोदी ने क्या कहा?

मोदी ने भारत-अमेरिका सहयोग को भी अहम बताते हुए कहा कि एआई और चिप्स जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों की साझेदारी वैश्विक सप्लाई चेन को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि दुनिया इन दोनों महत्वपूर्ण तकनीकों की सप्लाई चेन को सुरक्षित करने की दिशा में प्रयास कर रही है और भारत व अमेरिका इस दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं।

जीतकर भी विश्वकप से बाहर पाकिस्तान

कोलंबो, एजेंसी। पवन रत्नायके और दसुन शनाका की अर्धशतकीय पारियों की मदद से श्रीलंका ने पाकिस्तान का सेमीफाइनल में पहुंचने का सपना तोड़ दिया। शनिवार को पल्लेकेले में खेले गए सुपर-8 के अपने आखिरी मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। साहिबजादा फरहान की शतकीय और फखर जमां की अर्धशतकीय पारियों की मदद से पाकिस्तान ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 212 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम ने निर्धारित ओवरों में छह विकेट पर 207 रन बनाए।

राहुल गांधी की पंजाब कांग्रेस को चेतावनी

टीम प्लेयर बनो, वरना मैं ठीक कर दूंगा, पार्टी से बड़ा कोई भी नहीं

बरनाला, एजेंसी

पंजाब के बरनाला में शनिवार को कांग्रेस की मजदूर महारैली हुई। इसमें राहुल गांधी ने पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी को लेकर नेताओं को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को मैसेज देना चाहता हूं कि काम टीम वर्क से होता है। एक प्लेयर गेम नहीं जीत सकता है। हमारे पास पूरी टीम बैठी है। मैं मैसेज देना चाहता हूं कि टीम प्लेयर बनो। वरना रिजर्व में बैठा देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि चाहे आप कितने भी बढ़े हो, पार्टी से बड़ा कोई नहीं है। आप टीम प्लेयर बनो। नहीं बने तो मैं और खड़गे आपको ठीक कर देंगे। यहां सारे सीनियर नेता बैठे हैं। मैं इनको बताना चाहता हूं कि हमारी सच्ची शक्ति हमारे कार्यकर्ता हैं। जो भी होगा पंजाब में इनकी रिस्पेक्ट से होगा। उन्होंने कहा कि 4 महीने से अमेरिका-भारत डील रुकी थी।

काकीनाडा में पटाखा फैक्टरी में धमाका 21 की मौत, छह लोगों की हालत गंभीर

काकीनाडा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में स्थित एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट में 21 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस और राहत दलों ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया है। प्रशासन ने आशंका जताई है कि मलबे में दबे लोगों के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने 21 लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि कई घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उनके अनुसार, छह घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के इलाके में दहशत फैल गई और फैक्टरी का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस और अग्निशमन दल मलबा हटाकर फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट के समय फैक्टरी में करीब 20 लोग काम कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

राज्य के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक संदेश में कहा कि काकीनाडा जिले के वेतलापलेम गांव में पटाखा निर्माण इकाई में हुआ विस्फोट अत्यंत दुखद और विचलित करने वाला है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से तत्काल रिपोर्ट तलब कर पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

न्याय व्यवस्था के लिए चिंताजनक संकेत...

93 प्रतिशत कानून के छात्र कॉरपोरेट में जा रहे, अदालतों को भी प्रतिभाशाली युवा वकीलों की जरूरतः सीजेआई

अहमदाबाद, एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कानून के छात्रों के बड़े पैमाने पर कॉरपोरेट क्षेत्र की ओर रुख करने पर चिंता जताई है। गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के 16वें दीक्षांत समारोह में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि 93 प्रतिशत छात्र अदालतों में वकालत करने के बजाय कॉरपोरेट कंपनियों में नौकरी चुन रहे हैं, तो यह न्याय व्यवस्था के लिए चिंताजनक संकेत है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों का उद्देश्य केवल कॉरपोरेट पेशेवर तैयार करना नहीं, बल्कि सक्षम वकील और न्यायाधीश तैयार करना भी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारतीय न्यायपालिका को प्रतिभाशाली युवा अधिवक्ताओं की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कक्षा में जो पढ़ाया जाता है वह आवश्यक है, लेकिन वास्तविक सीख अदालतों में काम करने से मिलती है।

पढ़ाई और पेशे की वास्तविकता अलग

मुख्य न्यायाधीश ने अपने शुरुआती अनुभव साझा करते हुए कहा कि किताबों में पढ़ा गया कानून और अदालत की वास्तविकता में स्पष्ट अंतर होता है। उन्होंने कहा कि किताबें सिद्धांत सिखाती हैं, लेकिन अदालत में समय-सीमा, दबाव और अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। मूट कोर्ट में छात्र संरक्षित वातावरण में बहस करते हैं, जबकि वास्तविक अदालत में परिस्थितियां आपके नियंत्रण में नहीं होतीं।

शुरुआत में 'टिके रहना' जरूरी

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि करियर के शुरुआती वर्ष सबसे अधिक सिखाने वाले होते हैं। उन्होंने कहा कि एक अधिवक्ता को यह सीखना पड़ता है कि केस हारने की स्थिति में भी मुवक्किल का विश्वास कैसे बनाए रखा जाए। अदालत में टिके रहना और लगातार सीखते रहना ही सफलता की कुंजी है।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ रायपुर ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ मैहर ■ खरगोन ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

कलेक्टर ने स्वीकृत की आर्थिक सहायता राशि

शहडोल। विधायक विधानसभा क्षेत्र ब्यौहारी श्री शरद कोल की अनुषंसा पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से ग्राम पपौंध निवासी श्री राजभान मिश्रा को उपचार हेतु 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का आयोजन

शहडोल। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान (2026) शहडोल जिले के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने जानकारी देते हुए बताया है कि भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रदेश के प्रत्येक जिलों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी प्रशिक्षण महाअभियान के रूप में चलाया जा रहा है इसी प्रशिक्षण महाअभियान के तहत शहडोल जिले में भी भारतीय जनता पार्टी जिला शहडोल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी प्रशिक्षण महाअभियान 2026 की कार्यशाला का आयोजन शहडोल नगर के कमला नगर स्थित 'अटल निलय' जिला भाजपा कार्यालय में रविवार दिनांक 1 मार्च को सुबह 11:00 बजे कार्यशाला का शुभारंभ किया जाएगा प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहडोल संभाग प्रभारी श्री गौरव सिरोठिया जी एवं जबलपुर विधायक शहडोल जिला प्रभारी श्री अभिलाष पांडे जी कार्यशाला में रहेंगे उपस्थित एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला को करेंगे संबोधित, प्रशिक्षण कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा जी करेंगी ।प्रशिक्षण कार्यशाला में अपेक्षित श्रेणी के रूप में विधायकगण,जिलाअध्यक्ष,जिला, पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष,जिला पदाधिकारीगण,विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक एवं सह संयोजक जिले मे निवासरत एव जिला संयोजक,जिला टोली दीनदयाल उपाध्याय जी प्रशिक्षण वर्ग,सातों मोर्चों के अध्यक्ष एवं महामंत्री,मंडल अध्यक्ष मंडल महामंत्री,मंडल प्रभारी,दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग की मंडल टोली,जिला एव मंडल प्रशिक्षण हेतु नियुक्त वक्त सभी अपेक्षित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य रूप से रहेंगे उपस्थित।

राज्य पात्रता परीक्षा हेतु से.नि. जिला न्यायाधीश रामगोपाल प्रजापति संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त

शहडोल। परीक्षा नियंत्रक मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग रेसीडेन्सी इंदौर द्वारा राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 आयोजन 01 मार्च 2026 को एक सत्र में दोपहर 12:00 बजे से 03:00 बजे तक शहडोल जिले में 13 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जा रही है। उक्त परीक्षा के संभागीय पर्यवेक्षक चितरंजन त्यागी (सेवा निवृत्त आएफएस) मो. नं. 9425174770 को नियुक्त किया गया था परीक्षा नियंत्रक (प्रशा.) मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर द्वारा पत्र श्री त्यागी के स्थान पर श्री रामगोपाल प्रजापति, से.नि. जिला न्यायाधीश मो. नं. 9425472780 को संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। अपर कलेक्टर ने श्री शिव प्रताप सिंह चंदेल विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सोहागपुर शहडोल (मो.नं. 9424955469) को संभागीय पर्यवेक्षक के समन्वय हेतु लायजनिंग अधिकारी नियुक्त किया है एवं प्रदीप कुमार मिश्रा, (एम.आई.एस. प्रभारी कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र शहडोल, (मो.नं. 9425184388) की संभागीय पर्यवेक्षक के लिपकीय सहायता हेतु नियुक्त किया है।

पौधों की वृद्धि एवं समुचित विकास के लिये 17 पोषक तत्व आवश्यक

शहडोल। संभागीय मुख्यालय शहडोल के शासकीय इंदिरा गांधी होम साइंस कॉलेज शहडोल में कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा मृदा परीक्षण विषय पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रषिक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. ब्रजकिषोर प्रजापति ने विद्यार्थियों को बताया कि मृदा परीक्षण या भूमि की जांच मिट्टी की रासायनिक, भौतिक और जैविक विशेषताओं का विश्लेषण करने की एक प्रक्रिया है, ताकि उसकी उर्वरकता का पता लगाया जा सके और यह निर्धारित किया जा सके कि उसमें कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा परीक्षण के लिए सबसे पहले मृदा का नमूना लिया जाता है। इसके लिए जरूरी है कि मृदा का नमूना पूरे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करे। यदि मृदा का नमूना ठीक ढंग से नहीं लिया गया हो और वह मृदा का सही प्रतिनिधित्व न कर रहा हो, तो भले ही मृदा परीक्षण में कितनी ही सावधानियां क्यों न बरती जाएं, उसकी सिफारिश सही नहीं हो सकती। इसलिए खेत की मृदा का नमूना उस स्थान से न लें, जहां पर खाद, उर्वरक, मेड़ों, पेड़ों, रास्तों के पास आदि को इकट्ठा किया गया हो। एकत्रित की गई पूरी मृदा को हाथ से अच्छी तरह से मिला लें तथा साफ कपड़े पर डालकर गोल ढेर बना लें। अंगुली से ढेर के चार बराबर भागों की मृदा अलग हटा दें। अब शेष दो भागों की मृदा पुनः अच्छी तरह से मिला लें व गोल बनायें। यह प्रक्रिया तब तक दोहरायें, जब तक लगभग आधा कि.ग्रा. मृदा शेष रह जाये। मृदा नमूने को साफ प्लास्टिक थैली में रखें तथा इसे एक कपड़े की थैली में डाल दें। नमूने के साथ एक सूचना पत्रक, जिस पर समस्त जानकारी लिखी हो, एक प्लास्टिक की थैली में अन्दर तथा एक कपड़े की थैली के बाहर बांध दें। अब इन तैयार नमूनों को मृदा परीक्षण प्रयोगशाला भेजें। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला शहडोल से डॉ. प्रदीप राणा ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि पौधों की वृद्धि एवं समुचित विकास के लिये 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है जिनमें से किसी एक की कमी हो जाने से पौधों पर विपरीत असर होता है ।और उसके विकास के साथ-साथ उत्पादन में भी फर्क पडने लगता है।

अतिक्रमण और अव्यवस्थित यातायात से हर दिन जाम जैसे हालात

इंदिरा चौक से गांधी चौक तक सड़क पर पार्किंग, प्रशासनिक अनदेखी से शहर की यातायात व्यवस्था चरमराई

विजय मत, शहडोल

संभागीय मुख्यालय शहडोल में यातायात व्यवस्था लगातार बदतर होती जा रही है। शहर के प्रमुख बाजारों और मुख्य मार्गों पर अव्यवस्थित पार्किंग और अतिक्रमण के कारण आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थिति यह है कि बाजार क्षेत्र में कहीं भी अधिकृत पार्किंग स्थल चिह्नित नहीं हैं, जिससे छोटे-बड़े वाहन चालक अपनी गाड़ियां सड़क किनारे या मुख्य मार्गों पर ही खड़ी कर देते हैं। परिणामस्वरूप दिनभर जाम जैसे हालात बने रहते हैं।

न्यू गांधी चौक बना अव्यवस्था का केंद्र

शहर के व्यस्ततम क्षेत्र न्यू गांधी चौक में हालात और भी चिंताजनक हैं। यहां सड़क पर खड़े वाहनों के कारण आवागमन बाधित रहता है। दीपावली जैसे त्योहारी सीजन में व्यापारी अपनी दुकानों का सामान सड़क तक फैला लेते हैं और फुटपाथों पर टेंट तक लगा दिए जाते हैं। इससे सड़कें संकरी हो जाती हैं और पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। शाम के समय तो यहां से निकलना किसी चुनौती से कम नहीं होता।

मुख्य मार्गों पर दिन-रात खड़े वाहन

इंदिरा चौक से गांधी चौक और वहां से रेलवे स्टेशन तथा जयस्तंभ की ओर जाने वाले मार्गों में अधिकांश समय वाहन सड़क पर ही खड़े दिखाई देते हैं। आधी सड़क पर खड़े बड़े वाहन यातायात को बाधित करते हैं। कई बार आपातकालीन स्थिति में भी वाहन निकालना कठिन हो जाता है। बस स्टैंड के पास से बुढ़ार और रीवा मार्ग पर भी दिन-रात बसें और अन्य वाहन सड़क पर खड़े रहते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

फुटपाथों पर कब्जा, प्रशासन मौन

शहर के लगभग सभी प्रमुख बाजार क्षेत्रों में फुटपाथों पर व्यापारियों का कब्जा है। पैदल चलने वालों के लिए बनाए गए रास्तों पर दुकानें सजाई जा रही हैं। त्योहारी सीजन में तो हालात और बिगड़ जाते हैं, जब फुटपाथ से लेकर सड़क तक अतिक्रमण कर लिया जाता है। इसके बावजूद नगर पालिका और यातायात पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आती।

यातायात पुलिस का अस्तित्व ही नहीं

स्थानीय निवासी रमेश गुप्ता का कहना है कि शहर में ऐसा प्रतीत होता है मानो यातायात पुलिस का अस्तित्व ही नहीं है। मुख्य मार्गों पर बड़े वाहन जहां-तहां खड़े रहते हैं और पैदल निकलने तक की जगह नहीं बचती। वहीं मनोज कुशवाहा ने बताया कि गांधी चौक के पास व्यापारी सड़क तक दुकानें फैला रहे हैं, जिससे सड़कें लगातार संकरी होती जा रही हैं।

विश्वविद्यालय में विज्ञान दिवस पर बॉटनी विभाग की भव्य प्रदर्शनी

विजय मत, शहडोल

विज्ञान दिवस के अवसर पर पंडित शम्भूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद पांडेय, डॉ. आशीष तिवारी एवं वित्त अधिकारी राम मिलन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

छात्रों की रचनात्मकता का अनूठा प्रदर्शन

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान और परंपरा का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के हर्बल व्यंजन, हर्बल गुलाल तथा जल संरक्षण से जुड़े वाटर मॉडल तैयार किए गए।लोकल फॉर वोकल की भावना को साकार करते हुए विद्यार्थियों ने स्थानीय संसाधनों से बने अचार, रसगुल्ला, हलवा आदि व्यंजनों की प्रस्तुति दी, जो न केवल स्वादिष्ट थे बल्कि स्वास्थ्यवर्धक और पर्यावरण अनुकूल भी थे।

इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के औषधीय एवं सजावटी पौधों का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों ने प्रत्येक पौधे की विशेषताओं, उपयोगिता और वैज्ञानिक महत्व का प्रभावशाली वर्णन किया।

भारतीय परंपरा में पौधों की विशेषता

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पौधों को केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि जीवन का आधार माना गया है।उन्होंने उल्लेख किया कि तुलसी को आयुर्वेद में औषधि एवं आध्यात्मिक शुद्धता का प्रतीक माना गया है।पीपल और बरगद को दीर्घायु एवं पर्यावरण संतुलन का आधार कहा गया है।नीम को प्राकृतिक एंटीबायोटिक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में वनस्पति विज्ञान का गहरा महत्व है और आज आवश्यकता है कि आधुनिक विज्ञान के साथ पारंपरिक ज्ञान को जोड़ा जाए।कुलगुरु ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी से न केवल वैज्ञानिक सोच विकसित होती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता का भाव भी प्रबल होता है।

विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों का मार्गदर्शन

बॉटनी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. उमा ने बताया कि छात्रों ने कई दिनों की मेहनत से यह प्रदर्शनी तैयार की है। उनका उद्देश्य विज्ञान को व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत करना तथा समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।इस अवसर पर डॉ. ममता प्रजापति, डॉ. हेमंत पाठक एवं डॉ. अजय सोनवानी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। प्रदर्शनी ने विश्वविद्यालय परिसर में ज्ञान, परंपरा और नवाचार का सुंदर वातावरण निर्मित किया।

जंगल छोड़ गायब हुआ बीटगार्ड, विभाग ने थमाया सस्पेंशन आदेश

विजय मत, शहडोल

दक्षिण वन मंडल के पटासी बीट में पदस्थ वनरक्षक की पांच माह से अधिक समय तक ड्यूटी से गैरहाजिरी आखिरकार भारी पड़ गई। बिना सूचना गायब रहने और शासकीय राशि के अनियमित आहरण के आरोप में डीएफओ ने संबंधित वनरक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

शनिवार जारी प्रेस नोट के अनुसार शिवप्रसाद मरकाम, वनरक्षक, वन परिक्षेत्र शहडोल अंतर्गत बीटगार्ड पटासी, 18 सितंबर 2025 से न तो अपनी ड्यूटी पर उपस्थित हो रहे थे और न ही मुख्यालय में उनका कोई पता चल पा रहा था। विभागीय अधिकारियों को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने नोटिस जारी कर संपर्क साधने की कोशिश की, लेकिन पांच माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी न तो उनसे संपर्क हो सका और न ही वे मुख्यालय या कार्यस्थल पर उपस्थित हुए।

मामले को गंभीर लापरवाही मानते हुए वन मंडलाधिकारी, दक्षिण वन मंडल शहडोल की डीएफओ श्रद्धा पंद्रे ने कार्रवाई करते हुए शिवप्रसाद मरकाम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। आदेश में उल्लेख है कि संबंधित वनरक्षक द्वारा शासकीय सुरक्षा मद की राशि का अनाधिकृत आहरण किया गया तथा सुरक्षा श्रमिकों को भुगतान भी नहीं किया गया, जो गंभीर वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। यह कार्रवाई म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 09 के तहत की गई है।

बुराई में भी अच्छाई देखोगे तो,जीवन मजबूत बनेगा – मुनिश्री प्रमाणसागर महाराज

विजय मत, बुढ़ार

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के चतुर्थ दिवस पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने कहा कि अच्छा दिखना नहीं,अच्छा बनना ही जीवन का वास्तविक उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन को केवल धन, वैभव और बाहरी साधनों से अच्छा बनाने का प्रयास क्षणिक है,यदि व्यक्ति चार संकल्प ले ले– मैं अच्छा देखूँगा,अच्छा करूँगा,अच्छा बनूँगा और अच्छे से रहूँगा, तो वह निश्चित ही जीवन की ऊँचाइयों को छू सकता है।मुनि श्री ने अच्छा शब्द का वास्तविक अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि केवलअच्छा दिखना, अच्छा पहनना या अच्छा पाना जीवन का लक्ष्य नहीं होना चाहिए,हमारी संपूर्ण ऊर्जा अच्छा बनने की दिशा में लगनी चाहिए,जब मनुष्य भीतर से श्रेष्ठ बनता है, तो उसका आचरण, व्यवहार और व्यक्तित्व स्वतः ही उत्तम हो जाता है।धर्म बाहरी प्रदर्शन से हटाकर आंतरिक परिष्कार की ओर ले जाता है और चेतना को परिमार्जित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण सृष्टि की व्यवस्था उत्तम है,मनुष्य चाहे तो हर जगह कमी निकाल सकता है और चाहे तो उसी परिस्थिति में अच्छाई खोज सकता है? बड़े आयोजनों में छोटी-मोटी कमियाँ रह ही जाती हैं, पर यदि हम केवल कमियों पर ही दृष्टि रखेंगे तो हमारा दृष्टिकोण नकारात्मक हो जाएगा,जो व्यक्ति हर जगह कमी को खोजता है, उसका जीवन कमजोर बनता है,जबकि जो अच्छाइयों को अपनाता है, वह स्वयं भी मजबूत बनता है और समाज को भी सशक्त करता है।दीक्षा कल्याणक के अवसर पर मुनि श्री ने प्रेरक प्रसंग सुनाते हुए बताया कि श्रीकृष्ण जब अपने साथियों के साथ जा रहे थे,मार्ग में एक मरा हुआ कुत्ता पड़ा था,सबने घृणा से मुँह फेर लिया, पर श्रीकृष्ण ने उसके दाँतों की सुंदरता की प्रशंसा की।

क्या आरकेटीसी कंपनी प्रबंधन की बातों को भी कर रही नजरअंदाज ?

ओपन कास्ट में आज फिर सुरक्षा के मुद्दे को लेकर दिखी अधिकारियों की नाराजगी

विजय मत, धनपुरी

एसईसीएल सोहागपुर एरिया के अमलाई ओपन कास्ट जहां प्राइवेट कंपनी आरकेटीसी के द्वारा ओवी निकालने का काम किया जा रहा है ताकि यहां पर जल्द से जल्द कोयला उत्पादन का काम भी शुरू हो सके क्योंकि मार्च का महीना शुरू होने वाला है और 31 मार्च को सोहागपुर एरिया को अपना वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य पूरा करना है ऐसे में इस ओपन कास्ट से कोयला उत्पादन शुरू होना प्रबंधन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है और उसकी चिंता भी इसे लेकर देखी जा सकती है लेकिन अब सवाल इस बात का उठना है की क्या कोयला उत्पादन को लेकर सुरक्षा को ताक पर रखकर काम किया जाएगा ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि आज दोपहर इस ओपन कास्ट में कुछ ऐसा ही देखने को मिला जब इसे लेकर कालरी के अधिकारियों की नाराजगी भी जो इस ओपन कास्ट में प्राइवेट कंपनी काम कर रही है उसके ऊपर देखने को मिली। वैसे इस ओपन कास्ट में अगर देखा जाए तो जब से प्राइवेट कंपनी आरकेटीसी को काम मिला है यहां पर सिर्फ स्थिति विवादों की ही नजर आ रही है कभी रोजगार के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन होते हैं कभी कंपनी में कार्यरत कर्मचारी ही अपने हक की आवाज को बुलंद करते हैं तो थाने मामला पहुंच जाता है समझौता होने के बाद भी कंपनी आठ कर्मचारियों को बर्खास्त कर देती है इस मुद्दे को लेकर भी हिंद मजदूर सभा लगातार विरोध कर रही है तो वहीं आज जिस स्थान पर प्राइवेट कंपनी के द्वारा ओवी निकालने का काम किया जा रहा था वहां पर भी आज स्थिति कुछ अलग ही नजर आई क्योंकि वहां पर मौजूद ओपन कास्ट के अधिकारियों ने कंपनी को इस बात के लिए काम करने के लिए मना किया गया कि जहां पर ओवी निकालने का काम किया जा रहा है सुरक्षा मनको की दृष्टिकोण से यह उचित नहीं है और यही कारण था कि ओपन कास्ट के एक अधिकारी ने कंपनी को यहां पर काम न करने की बात कही और अन्य स्थान पर काम करने की बात कही गई इस पर वह मौजूद प्राइवेट कंपनी का ही एक अधिकारी ओपन कास्ट के अधिकारी की बात को अनदेखा कर दिया और कहने लगा कि काम तो यहीं पर करेंगे और अगर सामने आए तो फिर अच्छा नहीं होगा मामला इतना ज्यादा तूल पकड़ लिया कि वहां मौजूद अधिकारी ने ओपन कास्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी को इसकी सूचना दी जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे वरिष्ठ अधिकारी ने भी प्राइवेट कंपनी को वहां पर काम न करने की बात कही लेकिन प्राइवेट कंपनी के अधिकारी यहां पर भी उसे अनसुना करके काम करना शुरू कर दिए यही कारण था कि स्थिति चिंताजनक हो गई ।

नाराजगी

नगर पालिका की प्राथमिकताओं पर सवाल, स्थानीय लोगों में बढ़ती नाराजगी

घरौला में 19 लाख का प्रोजेक्ट भूमि विवाद में फंसा

विजय मत, शहडोल

शहडोल नगर में सामुदायिक सुविधाओं को लेकर एक बार फिर अव्यवस्था और प्रशासनिक असंतुलन सामने आया है। कोनी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के वैवाहिक व सामाजिक कार्यक्रमों के उद्देश्य से निर्मित सामुदायिक भवन अब अपने मूल उद्देश्य से भटक गया है। पहले यहां सोहागपुर थाना संचालित होता रहा, और थाना भवन के स्थानांतरण के बाद नगर पालिका ने इस भवन का उपयोग दमकल कार्यालय के रूप में शुरू कर दिया है।

सामाजिक गतिविधियों के लिए बना भवन अब प्रशासनिक उपयोग में

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि सामुदायिक भवन का निर्माण क्षेत्रीय जनता की सुविधा को ध्यान में रखकर किया गया था, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार भी कम खर्च में विवाह, बैठकें और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर सकें। लेकिन वर्तमान में यह भवन दमकल कार्यालय के रूप में उपयोग हो रहा है, जिससे आम नागरिकों को इसकी सुविधा नहीं मिल पा रही है। लोगों का आरोप है कि नगर पालिका ने बिना जनसुनवाई या वैकल्पिक व्यवस्था के भवन का उपयोग बदल दिया। कोनी क्षेत्र में अब किसी बड़े सामुदायिक आयोजन के लिए उपयुक्त सार्वजनिक स्थल उपलब्ध नहीं है, जिससे लोगों को निजी मैरिज गार्डन या अन्य महंगे विकल्पों का सहारा लेना पड़ रहा है।

घरौला वार्ड 19 में 19 लाख का प्रोजेक्ट अटका

वहीं दूसरी ओर नगर के घरौला मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 19 में लगभग 19 लाख रुपये की लागत से एक नए सामुदायिक भवन के निर्माण हेतु कार्यादेश जारी किया जा चुका है। लेकिन भूमि विवाद के कारण निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जिस भूमि पर भवन निर्माण प्रस्तावित है, वहां स्वामित्व और सीमांकन को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है। विवाद के चलते न तो निर्माण एजेंसी कार्य शुरू कर पा रही है और न ही प्रशासन कोई ठोस समाधान निकाल सका है। परिणामस्वरूप स्वीकृत बजट होने के बावजूद योजना कागजों तक सीमित रह गई है।

विकास योजनाएं कागजों में, जनता असुविधा में

एक ओर पहले से निर्मित भवन का उपयोग बदला जा रहा है, वहीं दूसरी ओर स्वीकृत परियोजनाएं जमीन पर उतरने से पहले ही अटक रही हैं। इससे नगर पालिका की कार्यप्रणाली और समन्वय क्षमता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते विवाद का निराकरण नहीं हुआ तो न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र की जनता लंबे समय तक बुनियादी सामाजिक सुविधा से वंचित रहेगी। नगर में सामुदायिक ढांचे की स्थिति फिलहाल अव्यवस्था और अनिश्चितता की तस्वीर पेश कर रही है।

न्यूज इन शॉर्ट

खाद्य विभाग की टीम ने 27 क्विंटल मावा किया जब्त

विजय मत, भोपाल। आगामी दिनो में आने वाले त्योहारो को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सक्रियता बढ़ा दी है। इसी कड़ में टीम ने बीते दिन खजूरी सड़क स्थित टोल प्लाजा के पास से वाहन से करीब 6 लाख कीमत का 27 क्विंटल मावा जब्त किया है। यह कार्रवाई की गई मावा के मिलावटी होने की आशंका के चलते की गई है। अधिकारियो ने बताया की होली के चलते खाद्य सुरक्षा विभाग होटल, रेस्टोरेंट-डेयरी आदि पर जाकर खाद्य पदार्थों की जांच कर रहा है। कई जगहों से सैंपल भी लिए जा रहे हैं। जांच के लिए मावा और पनीर के पांच-पांच नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। सेंपल रिपोर्ट आने के बाद ही मिलावट की स्थिति का पता चलेगा। बीते एक महीने में खाद्य प्रशासन की संयुक्त टीम ने 234 नमूने लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पति की हत्या की आरोपी पत्नी ने बैतूल जिला जेल में किया आत्महत्या का प्रयास

विजय मत, भोपाल। बैतूल जिला जेल की महिला बैरक में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब पति की हत्या के आरोप में बंद 21 वर्षीय महिला कैदी ने कांच की चूड़ियां पीसकर खा लीं। उसकी लगातार बिगड़ती हालत को देखते हुए जेल प्रशासन उसे फौरन ही जिला अस्पताल पहुचांया जहॉ से उसे इलाज के लिये भोपाल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार विचाराधीन कैदी पूनम पति राजू (21), निवासी घोघरी ने शनिवार सुबह करीब 11 बजे अपनी बैरक में थी। उस वक्त बैरक में 18 अन्य महिला कैदी भी मौजूद थीं। उस समय पूनम ने कांच की चूड़ियों को पीसकर निगल लिया। कुछ देर बाद जब उसकी हालत बिगड़ने लगी, तब जेल प्रहरियों को घटना का पता चला। महिला को तुरंत जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया था। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन के मुताबिक, महिला के गले के अंदरूनी हिस्से में कांच के टुकड़ों से गहरे जख्म हुए हैं। कांच शरीर के अंगों को और ज्यादा नुकसान न पहुंचाए, इसलिए उसे बेहतर इलाज के लिए भोपाल भेज दिया गया है। जेल अफसरो का कहना है की सुरक्षा के कड़े मानदंडों के बावजूद पूनम के पास कांच की चूड़ी कैसे पहुंची, यह जांच का विषय है। मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। अस्पताल में भर्ती पूनम उईके को 18 दिसंबर 2025 को अपने पति राजू उईके की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसने महाराष्ट्र के तीन युवकों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। जेल अधिकारियो के अनुसार, शुरुआती जांच में ऐसा प्रतीत होता है, कि पूनम ने आत्मग्लानि या किसी मानसिक तनाव के चलते यह आत्मघाती कदम उठाया है।

होली पर स्टेशनों पर रखी जा रही कड़ी नजर, ड्रोन से हो रही निगरानी

विजय मत, भोपाल। होली के त्योहार पर मंडल के सभी स्टेशनों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आरपीएफ द्वारा ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। आरपीएफ के जवान अपने ड्रेस पर बॉडी वॉर्न कैमरे लगाए हुए हैं। इटारसी स्टेशन के समीप ड्रोन को उड़ते हुए देख लोग अचरज में पड़ गये। स्टेशन आउटर से ट्रेनों में चढ़ने वाले एवं रेल पटरियों से इधर-उधर आने-जाने वाले मुसाफिरो में ड्रोन कैमरे की निगरानी और तस्वीरें लिए जाने के कारण पकड़े जाने का डर नजर आया। अफसरो के अनुसार ड्रोन कैमरों के माध्यम से स्टेशन परिसर, आउटर क्षेत्र, यार्ड एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि रेल परिसर में अनाधिकृत गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

सायबर ठगोरो ने छात्र, बैंक क्लर्क, शिक्षक सहित चार को बनाया अपना शिकार

विजय मत, भोपाल। राजधानी के अलग-अलग थाना इलाको में साइबर ठगो ने चार लोगो को अपना शिकार बनाकर लाखो की रकम ठग ली। फइनमें से एक मामला टीटी नगर थाना क्षेत्र का है। यहां को-ऑपरेटिव बैंक के क्लर्क के साथ साइबर ठगी की गई है। आरोपी ने खुद को बैंक अधिकारी बताकर उनसे 1 लाख 42 हजार 398 रुपए की ठगी की। वहीं हबीबगंज थाना क्षेत्र में जालसाज ने सहायक शिक्षक से 3 लाख 10 हजार रुपए ठग लिये। उधर जहांगीराबाद थाने में भी ठगों ने क्रिपटो करंसी के नाम पर छात्र से 1 लाख 45 हजार रुपए की ठगी की है। दूसरी ओर पिपलानी थाना क्षेत्र में पैसे डबल करने के नाम पर 5 लाख 24 हजार 900 रुपए की ठगी की गई है।

केन्द्रीय वन मंत्री यादव ने तीन चीतों को बाड़े में किया रिलीज

कूनो में चीतों की पुनर्बसाहट जैव विविधता संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम : केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव

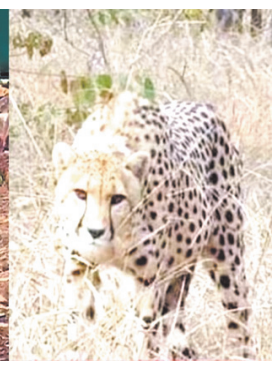

विजय मत, भोपाल

केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा है कि बोत्सवाना से कूनो नेशनल पार्क में लाये गये चीतों से बोत्सवाना और भारत के बीच जैव विविधता संरक्षण की एक ऐतिहासिक साझेदारी प्रारंभ हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विशेष पहल और प्रयासों से भारत में चीतों के प्रतिस्थापन की योजना पूरी तरह से सफल रही है। बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन की दिशा में कई देश साथ आये हैं। भारत में चीता प्रोजेक्ट को साढ़े तीन साल का समय हो गया है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है, वर्तमान में भारत में चीतों की संख्या 48 हो गई है, जिनमें 45 कूनो नेशनल पार्क और 3 गांधी सागर अभ्यारण में हैं। केन्द्रीय वन मंत्री ने कहा कि भारत के प्रयासों से विश्व में जैव विविधता संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है और 97 देश इस मंच के सदस्य बन गये हैं। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव ने बोत्सवाना से आये 9 चीतों में से तीन चीतों को प्रतीकात्मक रूप से क्वारंटीन के लिए बनाये गये बाड़ों में रिलीज किया। भारत में चीतों की पुनर्बसाहट के लिए तीन वर्ष पूर्व शुरू हुए चीता प्रोजेक्ट के तहत बोत्सवाना से लाये गये 9 चीते शनिवार को सुबह लगभग 9.30 बजे कूनो नेशनल पार्क पहुंचे। वायुसेना के तीन हैलीकॉप्टर से ग्वालियर एयरपोर्ट से इन चीतों को कूनो नेशनल पार्क में एयरलिफ्ट किया गया। इन चीतों में 6 मादा और 3 नर चीते शामिल है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री ने चीता रिलीज कार्यक्रम बाद के बोत्सवाना से आये चीता विशेषज्ञ दल से भेंट कर चर्चा की, साथ ही उन्हें कूनो नेशनल पार्क की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट भी किये। बोत्सवाना से 9 चीतों के आने के बाद अब प्रदेश में चीतों की कुल संख्या 48 हो गई है, इनमें से 45 कूनो नेशनल पार्क में और 3 गांधी सागर अभयारण्य में हैं। इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, सहरिया विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा) तुरसनपाल बरैया, पूर्व मंत्री रामनिवास रावत, जनप्रतिनिधि, महानिदेशक वन्य जीव भारत सरकार सुशील कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव वन संदीप यादव, प्रधान मुख्य वन संरक्षण एवं हैड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स वी.एन. अम्बाडे, कमिश्नर सुरेश कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत की वैश्विक भूमिका

मंत्री यादव ने कहा कि भारत केवल अपने देश में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी जैव विविधता संरक्षण के लिए प्रयासरत है। 97 देशों का इस मंच से जुड़ना भारत की नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। भारत ने "मिशन लाइफ" और "वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड" जैसी पहलों के माध्यम से भी पर्यावरण संरक्षण का वैश्विक संदेश दिया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारत में एशियाई चीता वर्ष 1952 में आधिकारिक रूप से विलुप्त घोषित कर दिया गया था। इसके बाद दशकों तक चीते की वापसी एक स्वप्न बनी रही। वर्ष 2022 में नामीबिया से चीतों के पहले दल को भारत लाया गया और बाद में दक्षिण अफ्रीका तथा अब बोत्सवाना से भी चीते लाए गए। यह प्रयास विश्व के सबसे बड़े वन्यजीव पुनर्स्थापन कार्यक्रमों में से एक माना जा रहा है। चीते की पुनर्बसाहट का मुख्य उद्देश्य भारत के घासस्थली पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करना है। चीता एक शीर्ष शिकारी है, जो शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

34.25 लाख वोटर्स ने बढ़ाई भाजपा-कांग्रेस की परेशानी

बूथ स्तर पर सत्यापन अभियान चलाएगी पार्टियां

विजय मत, भोपाल

मप्र में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एसआइआर के बाद जारी अंतिम मतदाता सूची ने सियासी दलों की चिंता बढ़ा दी है। अंतिम सूची से 34.25 लाख मतदाताओं के नाम हटने के बाद खासतौर पर भाजपा सक्रिय हो गई है। पार्टी को आशंका है कि इतने बड़े पैमाने पर मतदाताओं की कमी आगामी चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में भाजपा ने बूथ स्तर पर रणनीति बनाते हुए अपने बूथ लेवल एजेंट बीएलए को सक्रिय करने का निर्णय लिया है। भाजपा अब बूथवार उन मतदाताओं की तलाश करेगी, जो या तो स्थानांतरित हो गए हैं या अनुपस्थित दर्ज किए गए हैं। यह संख्या 31.50 लाख से अधिक बताई जा रही है। पार्टी का कहना है कि यदि ये मतदाता पात्र हैं तो उनके नाम दोबारा सूची में जुड़वाने का प्रयास किया जाएगा। भाजपा प्रदेश एसआइआर टोली के सहसंयोजक एएस उप्पल ने अभियान चलाने की घोषणा की है। कांग्रेस ने भी अपने बीएलए के माध्यम से हटाए गए मतदाताओं का सत्यापन कराने का फैसला किया है। कांग्रेस का कहना है कि वह पुरानी, प्रारूप और अंतिम मतदाता सूची का मिलान कराएगी।

आंकड़ों में बदलाव की तस्वीर

एसआईआर से पहले कुल मतदाता 5,74,06,143 थे। प्रारूप सूची के बाद यह संख्या घटकर 5,31,31,983 रह गई। अंतिम सूची में कुल मतदाता 5,39,81,065 दर्ज किए गए, यानी प्रारूप के बाद 8,49,082 की शुद्ध वृद्धि हुई। पूर्व सूची के अनुरूप 34,25,078 नाम हटाए गए। श्रेणीवार देखें तो 8.46 लाख नाम मृतक श्रेणी में हटे, 31।50 लाख अनुपस्थित या स्थानांतरित पाए गए और 2।77 लाख नाम दो या अधिक स्थानों पर दर्ज थे। पुरुष मतदाता 2,93,91,548 से घटकर 2,79,04,975 और महिला मतदाता 2,80,13,362 से घटकर 2,60,75,186 रह गए। राजनीतिक दलों का मानना है कि इतने बड़े पैमाने पर नाम कटने से चुनावी गणित प्रभावित हो सकता है, इसलिए अब दोनों प्रमुख दल बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने में जुट गए हैं।

बड़ा तालाब के कैचमेंट में बने अवैध पक्के निर्माण जमींदोज

हलालपुर में बुलडोजर एक्शन, सीमांकन के दौरान कई चौंकाने वाले कब्जे सामने आए

विजय मत, भोपाल

बड़ा तालाब की हद में आने वाली निजी भूमि में किए गए पक्के निर्माणों पर प्रशासन का बुलडोजर चला। संत हिरदाराम नगर तहसील के हलालपुर गांव में किए गए पक्के निर्माणों को तोडने की कार्रवाई शनिवार दोपहर से शुरू की गई। बड़ा तालाब की सीमा तय करने के लिए किए जा रहे सीमांकन के दौरान कई चौंकाने वाले कब्जे सामने आ रहे हैं। नायब तहसीलदार केके पंडोले के नेतृत्व में आरआई व पटवारियों ने शुक्रवार को दोपहर दो बजे सीमांकन की कार्रवाई शुरू की, जो शाम पांच बजे यानी चार घंटे तक चली। इसमें पता चला कि बड़ा तालाब की सीमा पर ही कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद का शैक्षणिक संस्थान बना हुआ है। जबकि यहां आसपास स्थित रिक्त भूमि भी कैचमेंट में आ रही है, जिसमें कांग्रेस नेता अरुणेश्वर सिंहदेव की जमीन का कुछ हिस्सा भी शामिल है। इन सभी को चिह्नित करते हुए राजस्व अमले ने लाल निशान लगाए हैं। बता दें कि बुधवार से शुरू हुए बड़ा तालाब के सीमांकन के दौरान कैचमेंट दायरे 50 मीटर में राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को आवंटित शासकीय बंगला, केके हाउस, गुलबाग लॉन, आईएएस मुजीबउर्रहमान के बंगले का हिस्सा सहित 25 से अधिक निर्माण चिह्नित किए गए हैं।

आर्मी वाटर स्पोर्ट केंद्र के बाद मिले अवैध निर्माण: राजस्व अमले ने बड़ा तालाब के कैचमेंट क्षेत्र में सेना के वाटर स्पोर्ट सेंटर के आगे जब सीमांकन किया तो कैचमेंट में पक्के मकान, बाउंड्री वाल, रेस्टोरेंट, फैक्ट्री आदि का निर्माण होना मिला। इतना ही नहीं, कुछ दूर चलने के बाद पता चला कि एक बड़े फार्म हाउस की तरह निर्माण कैचमेंट में किया जा रहा था। इसके पास ही भैंस भी बंधी हुई थीं।

चार घंटे चला सीमांकन

जानकारी के अनुसार राजस्व अमला सीमांकन करते हुए खानूगांव स्थित कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के इंदिरा प्रियदर्शनी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स पहुंचा, जहां तालाब के फुल टैंक लेवल से सीमांकन करते हुए 50 मीटर कैचमेंट दायरा तय किया तो पता चला कि शैक्षणिक संस्थान बिल्कुल पास ही बना हुआ है। यहां पर पटवारी अरविंद गिरी ने नायब तहसीलदार केके पंडोले की मौजूदगी में लाल निशान लगाते हुए तालाब की सीमा तय की। इसी के पास स्कूल के मैदान से होते हुए अमला आगे पहुंचा तो कांग्रेस नेता अरुणेश्वर सिंहदेव की जमीन का कुछ हिस्सा कैचमेंट में आया, जिसमें खेती की जा रही है।

मार्च माह के प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को निगम के समस्त वार्ड

करदाताओं की सुविधा के लिए आज लगेंगे विशेष राजस्व वसूली शिविर

विजय मत, भोपाल

नगर निगम प्रशासन द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में करदाताओं को निगम के देय करों एवं शुल्कों के भुगतान में सुविधा उपलब्ध कराने के दृष्टिगत मार्च माह के प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को विशेष राजस्व वसूली शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार, 01 मार्च 2026 को भी निगम के समस्त 85 वार्ड कार्यालयों सहित 169 स्थानों पर विशेष राजस्व वसूली शिविर का आयोजन किया जायेगा जिसमें करदाताओं को उनके निवास के समीप ही संपत्तिकर, जलउपभोक्ता प्रभार, लीज रेंट, किराया सहित अन्य करों एवं शुल्कों के भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। निगम प्रशासन ने शहर के समस्त करदाताओं से अपील की है कि वह निगम द्वारा करों की अदायगी हेतु दी जा रही सुविधा का लाभ उठायें और शीघ्र अतिशीघ्र वार्ड कार्यालयों अथवा विशेष राजस्व वसूली शिविर में देय करों एवं शुल्कों की अदायगी करें और शहर के विकास में भागीदार बनें।

निगम आयुक्त संस्कृति जैन के आदेश पर नगर निगम द्वारा करदाताओं की सुविधा के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम माह मार्च के प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को समस्त वार्ड कार्यालयों सहित वार्ड के अन्य क्षेत्रों में विशेष राजस्व वसूली शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। निगम द्वारा करदाताओं की सुविधा के लिए शनिवार, 28 फरवरी 2026 को 169 स्थानों पर विशेष राजस्व वसूली शिविर आयोजित किए गए। निगम द्वारा रविवार, 01 मार्च 2026 को भी समस्त 85 वार्ड कार्यालयों सहित 169 स्थानों पर विशेष राजस्व वसूली शिविर आयोजित किए जायेंगे। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने राजस्व अमले को निर्देशित किया है कि जिन स्थानों पर विशेष राजस्व वसूली शिविरों का आयोजन किया जा रहा है उसकी जानकारी करदाताओं तक मुनादी एवं अन्य माध्यमों से पहुंचाना सुनिश्चित करें।

भोपाल में 5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक

विजय मत, भोपाल

भोपाल में 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लगातार लीक होने का मामला सामने आने के बाद कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सख्ती दिखाई है। उन्होंने अफसरों को तत्काल प्रभाव से जांच करने के निर्देश दिए हैं। वहीं पुलिस के साथ राज्य साइबर मुख्यालय से भी मामले की जांच कराने को कहा है। कलेक्टर के निर्देश के बाद जिला परियोजना समन्वयक रवीश श्रीवास्तव ने राज्य साइबर मुख्यालय और शाहजहांनाबाद के सहायक पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर जांच शुरू करने का अनुरोध किया है। इस मामले में रवीश श्रीवास्तव ने बताया कि मीडिया के माध्यम से सूचना मिली है कि 5वीं और 8वीं कक्षा के बोर्ड परीक्षा पेपर लीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक हस्तलिखित और गणित का प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र पर पहुंचने से पहले ही लीक हो गया था। जिसके बाद दोनों ही प्रश्नपत्र जांच के लिए पुलिस को सौंप दिए गए हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि भोपाल कोड का लीक पेपर मिला है। इसके लिए यहां पता लगाना बेहद जरुरी है कि पेपर कहां और किसके द्वारा लीक हो रहे हैं।

आईएएस-आईपीएस की तरह आम जन को मिलें स्वास्थ्य सेवाएं

मप्र में 48 प्रतिशत लोग आयुष्मान योजना से वंचित,कांग्रेस की मांग..

विजय मत, भोपाल

आम जनता के लिए निःशुल्क और गुणवत्तावूर्ण इलाज को लेकर कांग्रेस ने अलग मांग रखी है। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक व पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जनता को आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की तरह स्वास्थ्य सेवाएं मिलना चाहिए और उनका फ्री में इलाज होना चाहिए। कांग्रेस ने मांग रखी है कि प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 15 लाख तक निःशुल्क इलाज और गंभीर बीमारियों के मामले में 25 लाख तक का कवरेज मिलना चाहिए है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ। सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा किसी वर्ग विशेष का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान में लागू आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रु की सीमा गंभीर बीमारियों और महंगे इलाज के सामने अपर्याप्त साबित हो रही है। साथ ही पात्रता की शर्तों के कारण लगभग 48 प्रतिशत परिवार इस योजना से वंचित हैं।

गंभीर बीमारियों के लिए बढ़ी हुई सीमा

विधेयक में किडनी ट्रांसप्लांट, लिवर ट्रांसप्लांट, कैंसर और अन्य जटिल सर्जरी के लिए कवरेज बढ़ाकर 25 लाख रु करने की मांग की गई है। डॉ. सिंह ने कहा कि जब 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को बिना आय बंधन आयुष्मान योजना में शामिल किया जा सकता है, तो अन्य नागरिकों को सार्वभौम इलाज का अधिकार क्यों नहीं दिया जा सकता। इससे पहले उन्होंने कहा कि आईएएस और आईपीएस अधिकारियों व उनके आश्रितों को सेवाकाल और सेवानिवृत्ति के बाद भी शत-प्रतिशत निःशुल्क इलाज मिलता है।

रिटायर्ड पुलिस अफसर की बेटी से एनआईआर पति ने दहेज में मांगें 5 करोड़ रुपए

महिला थाने में दर्ज हुई एफआईआर, चीन में कारोबार करता है आरोपी पति

विजय मत, भोपाल

एनआईआर भारतीय व चीन में कारोबार करने वाले परिवार ने शादी के बाद सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए पांच करोड़ की मांग करनी शुरु कर दी। मामले की शिकायत राजधानी के महिला थाने में की गई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। महिला थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 31 वर्षीय शैव्या शर्मा ने अपनी शिकायत में बताया की वह वर्तमान में अपने मेंडोरी स्थित मायके में रहती हैं। करीब 8 साल पहले पहले उनकी शादी दिल्ली निवासी सुशांत चोपड़ा से हुई थी, जो वर्तमान में एनआरआई है। सुशांत व उनका परिवार कारोबारी है। सुशांत चनी में रहकर कारोबार करते हैं। पीड़िता शैव्या शर्मा के पिता राज्य पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। शैव्या ने अपने अपने पिता के साथ महिला थाने पहुंचकर की गई शिकायत में आगे बताया कि शादी के कुछ समय बाद से ही पति और उसके परिजन अधिक दहेज की मांग को लेकर दबाव बनाने लगे। पहले महंगे गिफ्ट और नगदी की मांग की गई, जिसे समय-समय पर पूरा किया गया। बाद में उन्होंने पांच करोड़ रुपए लाने का दबाव बनाया गया। मांग पूरी न होने पर उनके साथ मारपीट कर प्रताड़ित किया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने सुशांत चोपड़ा, रिपू चौहान और पारुल के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसारआरोपी पति के फिलहाल विदेश में है, ऐसे में कानूनी प्रक्रिया के तहत नोटिस भेजने और आवश्यक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट के तार ड्रग तस्करी से जुड़े

विजय मत, भोपाल

राजधानी में पकड़े गए धर्मांतरण और हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट मामले में अब ड्रग तस्करी का भी खुलासा हुआ है। मामले में शिकायत दर्ज कराने वाली दोनों पीड़िताओ ने शुक्रवार शाम पुलिस कंट्रोल रूम पहुंची और उन्होंने आरोपी बहनों आफरीन और अमरीन पर एमडी ड्रग तस्करी कराने के गंभीर आरोप लगाए। पीड़िताओं ने बताया कि अमरीन और आफरीन ड्रग सप्लाई के नेटवर्क से जुड़ी हुई हैं। चंदन यादव सहित कई अन्य युवक इसमें शामिल हैं।

4 साल पहले अमरीन जुड़ी थी स्पा संचालक से

अमरीन ने पुलिस को बताया की चार साल पहले मिसरोद में वह एक स्पा संचालक के संपर्क में आई और स्पा में जॉब करने लगी। स्पा में ही जॉब के दौरान उसकी रायसेन के रहने वाले चंदन से मुलाकात हुई। बाद में दोनों ने मिलकर सेक्स रैकेट का संचालन शुरू किया। इस दौरान अमरीन ने अपनी कट्टर शिया विचारधारा का प्रचार कर अपने गिरोह की युवतियों को मुस्लिम बनने के लिए ब्रेनवॉश किया। चंदन का भी धर्मांतरण कराया।

ग्राहकों को खास कोड वर्ड के जरिए सप्लाई की जाती थी ड्रग

ग्राहकों को खास कोड वर्ड के जरिए ड्रग उपलब्ध कराई जाती थी। पीड़िताओं के इस खुलासे के बाद पुलिस ने एमडी ड्रग तस्करी के नेटवर्क को खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस अमरीन और चंदन से ड्रग तस्करी के संबंध में भी पूछताछ करेगी। हालांकि पुलिस शुरू से ही सभी एंगल से जांच कर रही है। पुलिस रिमांड पर चल रही अमरीन और चंदन यादव से अब ड्रग सप्लाई को लेकर भी पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है की रिमांड पर चल रही युवती और युवक को लेकर स्पेशल टीम अहमदाबाद में डेरा डाले हुई है। वहां एक फ्लैट की तलाशी के दौरान कुछ दस्तावेज जब्त किए गए है। बताया जा रहा है कि अमरीन ने अहमदाबाद में शादी की थी, लेकिन बाद में पति पर जालसाजी का केस दर्ज कर अलग हो गई। पीड़िताओं का आरोप है कि दोनों बहनें जिन युवकों के साथ मिलकर नेटवर्क चलाती थी, बाद में उन्हीं पर भोपाल के मिसरोद, सीहोर और अहमदाबाद में प्रकरण दर्ज करा देती थी।

विजय मत एंकर होली बाजार में बदली तस्वीर

मेक इन इंडिया के रंग में रंगा भोपाल, ग्राहक खुद स्वदेशी वस्तुओं की कर रहे मांग

विजय मत, भोपाल

राजधानी भोपाल में होली बाजार इस बार स्वदेशी रंग में रंगा नजर आ रहा है। व्यापारियों के अनुसार चीनी सामान की हिस्सेदारी घटकर 18-25त्न रह गई है, जबकि हर्बल गुलाल, देसी पिचकारी और भारतीय उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ी है।भोपाल संभाग में होली से रंग पंचमी तक 100-150 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है, जिसमें किराना, रंग-गुलाल और मिठाई की बिक्री सबसे अधिक रहने की उम्मीद है। राजधानी भोपाल में होली से पहले बाजारों की सतरंगी रौनक लौट आई है, लेकिन इस बार तस्वीर कुछ अलग है। पहले जहां फैंसी पिचकारी, मास्क, स्प्रे और खिलौनों में चीनी माल का दबदबा रहता था, वहीं अब भारतीय उत्पादों ने मजबूत पकड़ बना ली है। व्यापारियों का कहना है कि आयात में कमी, स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा और हर्बल रंगों की बढ़ती मांग के चलते बाजार में बड़ा बदलाव दिख रहा है। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू ने बताया कि अब ग्राहक खुद दुकानदार से पूछ रहे हैं कि सामान स्वदेशी है या नहीं। सुरक्षित और हर्बल रंगों को प्राथमिकता मिल रही है। उनका कहना है कि एमएसएमई और स्टार्टअप इकाइयों की बढ़ती भागीदारी से स्थानीय उद्योगों को सीधा लाभ हुआ है और चीन पर निर्भरता लगातार घट रही है। कुल मिलाकर भोपाल संभाग में होली से रंग पंचमी तक 100-150 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है।

भोपाल में क्या बदला?

चौक, आजाद मार्केट, इतवारा, मारवाड़ी रोड, लोहा बाजार, भेल, 10 नंबर, बैरागढ़ और करोंद समेत प्रमुख बाजारों में हर्बल गुलाल, ऑर्गेनिक रंग और देसी पिचकारी की मांग तेज है। बैटरी और म्यूजिकल थीम वाली पिचकारी में आंशिक विदेशी निर्भरता बनी हुई है, लेकिन साधारण रंग-पिचकारी लगभग पूरी तरह भारतीय हैं। थोक रंग व्यवसायियों सौरभ साहू और पंकज जैन के अनुसार, केमिकल रंगों की मांग घटी है।

भोपाल संभाग में अनुमानित कारोबार (रंग पंचमी तक)

रंग-गुलाल: 20-30 करोड़
पिचकारी-खिलौने: 8-10 करोड़
मिठाई-नमकीन: 20-25 करोड़
कपड़े: 10-15 करोड़
भांग-ठंडाई: 5-10 करोड़
डीजे-टेंट: 10-12 करोड़
किराना-डेयरी: 20-30 करोड़
पूजा सामग्री: 10-20 करोड़

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail vijaymat.sdl@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

बढ़ते वैवाहिक विच्छेद और भारतीय समाज की दुविधा

दिल्ली की एक पारिवारिक अदालत का दृश्य आज के शहरी भारत की बदलती सामाजिक तस्वीर को बयान करता है। सुबह के दस बजे हैं। एक युवा महिला, जिसकी उम्र मुश्किल से तीस के आसपास होगी, शांत चेहरे के साथ न्यायालय की बेंच पर बैठी है। उसकी आंखों में घबराहट नहीं, बल्कि एक ठोस निर्णय का संतुलन दिखाई देता है। तीन वर्ष पहले इसी महिला का विवाह पूरे उत्साह और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ हुआ था, किंतु आज वह अपने वैवाहिक संबंध को कानूनी रूप से समाप्त करने के लिए उपस्थित है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों की कहानी है जिनके रिश्ते समय, अपेक्षाओं और बदलती सामाजिक संरचना के दबाव में टूट रहे हैं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आंकड़े संकेत देते हैं कि पिछले दो दशकों में वैवाहिक विच्छेद के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां दो दशक पहले विवाहित महिलाओं में अलगाव या विवाह विच्छेद का प्रतिशत लगभग 0.6 था, वहीं अब इसमें वृद्धि दर्ज की गई है। शहरी भारत में पुरुषों और महिलाओं दोनों में ऐसे मामलों का अनुपात बढ़ा है। यद्यपि भारत की कुल दर अभी भी कई देशों की तुलना में कम है, परंतु महानगरों में पिछले तीन वर्षों में मामलों की संख्या तीन गुना तक बढ़ने की बात विभिन्न शोध रिपोर्टों में सामने आई है। औसतन महिलाओं की आयु लगभग 31 वर्ष और पुरुषों की 36 वर्ष बताई जाती है जब वे वैवाहिक संबंध समाप्त करने का निर्णय लेते हैं।

भारतीय समाज में 'तलाक' शब्द मूलतः विदेशी पृष्ठभूमि से आया हुआ माना जाता है। पारंपरिक भारतीय संस्कृति में विवाह को एक अटूट संस्कार के रूप में देखा गया है, जो केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का संबंध होता था। प्राचीन ग्रंथों में विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। यही कारण है कि लंबे समय तक विवाह विच्छेद की अवधारणा सामाजिक रूप से स्वीकार्य नहीं थी। हालांकि इतिहास के विभिन्न कालखंडों में कुछ समुदायों में अलगाव की परंपराएं थीं, परंतु व्यापक रूप से समाज ने इसे प्रोत्साहित नहीं किया।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

सार्वजनिक जल प्रशासन की गहरी विफलता

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में बोतलबंद पानी पर बढ़ती निर्भरता केवल उपभोक्ता व्यवहार में आए बदलाव की कहानी नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक जल प्रशासन में व्याप्त गहरी और बहुस्तरीय प्रणालीगत समस्याओं की ओर भी स्पष्ट संकेत करती है। कभी जो नल का पानी नागरिकों के लिए बुनियादी अधिकार और राज्य की जिम्मेदारी माना जाता था, वही आज अविश्वास, असुरक्षा और असमानता का प्रतीक बनता जा रहा है। शहरों से लेकर कस्बों और यहां तक कि ग्रामीण इलाकों में भी लोग पीने के लिए प्लास्टिक की बोतलों पर निर्भर होते जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक बोझ बढ़ाती है, बल्कि पर्यावरण, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक शासन की अवधारणा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है।आधुनिक भारत में जल संकट को अक्सर वर्षा की कमी, जलवायु परिवर्तन या बढ़ती जनसंख्या से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि ये सभी कारक महत्वपूर्ण हैं, लेकिन बोतलबंद पानी की लोकप्रियता का मूल कारण इनसे कहीं अधिक गहरा है। असल समस्या यह है कि नागरिकों का भरोसा सार्वजनिक जल आपूर्ति प्रणालियों से लगातार टूटता जा रहा है। नलों से आने वाले पानी की गुणवत्ता पर संदेह, नियमित आपूर्ति का अभाव, और पारदर्शिता की कमी ने लोगों को वैकल्पिक स्रोतों की ओर धकेल दिया है। जब राज्य अपनी बुनियादी जिम्मेदारी निभाने में असफल होता है, तब बाजार उस खाली स्थान को भर देता है–अक्सर मुनाफे की शर्तों पर।

यह स्थिति विडंबनापूर्ण है, क्योंकि इन्हीं शहरों में सबसे विकसित जल अवसंरचना होने का दावा किया जाता है। यदि इतनी सुविधाओं के बावजूद नागरिक सुरक्षित नल का पानी नहीं पी सकते, तो यह प्रशासनिक विफलता का सीधा प्रमाण है। पाइपलाइन की जर्जर हालत, सीवेज और पेयजल लाइनों का आपस में मिलना, तथा नियमित परीक्षण की कमी–ये सभी समस्याएँ वर्षों से ज्ञात हैं, लेकिन समाधान आधे-अधूरे ही रहे हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति अलग होते हुए भी उतनी ही चिंताजनक है। वहां बोतलबंद पानी का उपयोग अपेक्षाकृत कम है, लेकिन जैसे-जैसे ग्रामीण बाजारों तक निजी कंपनियों की पहुंच बढ़ रही है, यह निर्भरता वहां भी बढ़ने लगी है। कई इलाकों में भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक या आयरन की अधिकता के कारण लोग स्थानीय जल स्रोतों से डरने लगे हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

आतंकवाद के बदलते स्वरूप पर गंभीर चिंतन

कांतिलाल मांडोत

> आतंकवाद की यही प्रवृत्ति सबसे अधिक चिंताजनक है कि वह बार बार नए चेहरों और नई रणनीतियों के साथ सामने आता है। कभी वह हथियारों के जरिए हमला करता है, कभी वैचारिक युद्ध के माध्यम से समाज में जहर घोलने की कोशिश करता है। पोस्टर जैसे प्रतीत होने वाले साधारण माध्यम का उपयोग भी यदि किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा हो सकता है, तो यह सुरक्षा तंत्र के लिए गंभीर चेतावनी है।तमिलनाडु से छह बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी ने इस पूरे प्रकरण को और व्यापक बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियां अब इनके नेटवर्क, फंडिंग और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की पड़ताल कर रही हैं। यह भी जांच का विषय है कि किस प्रकार सीमापार बैठे हैंडलर भारत के भीतर युवाओं को प्रभावित करने या भ्रमित करने का प्रयास करते हैं।

राजधानी दिल्ली और कोलकाता जैसे महानगरों में हाल ही में जिस प्रकार की आतंकी साजिश का खुलासा हुआ, उसने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद का खतरा केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अपने रूप बदलकर समाज के भीतर घुसपैठ करने की कोशिश करता रहता है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से एक बड़े षड्यंत्र को समय रहते विफल कर दिया गया। यह घटना केवल कुछ पोस्टर लगाने या संदिग्ध गतिविधियों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके पीछे एक संगठित मॉड्यूल विदेशी निर्देश और व्यापक नेटवर्क की आशंका सामने आई है।सात फरवरी को कश्मीरी गेट और आसपास के क्षेत्रों में लगाए गए देशविरोधी पोस्टरों ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। इन पोस्टरों में भारत विरोधी संदेश और आतंकवादी संगठनों से जुड़े व्यक्तियों की तस्वीरें थीं। सबसे पहले इस गतिविधि पर सीआईएसएफ की नजर पड़ी और सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस की पेट्रोलिंग यूनिट सक्रिय हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सौंपी गई। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में जांच आगे बढ़ी और संदिग्धों की धरपकड़ शुरू हुई।

जांच में यह खुलासा हुआ कि इस साजिश के तार बांग्लादेश से जुड़े हुए थे। कोलकाता से एक बांग्लादेशी नागरिक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने दिल्ली और कोलकाता के विभिन्न स्थानों पर पोस्टर लगाए थे। यह भी सामने आया कि कोलकाता के कई मेट्रो स्टेशनों पर इसी प्रकार की गतिविधियां की गई थीं। आरोपियों को निर्देश देने वाला शख्स शब्बीर अहमद लोन बताया गया, जो जम्मू कश्मीर के गंदेरबल का निवासी है और पूर्व में लश्कर ए तैयबा से जुड़ा रहा है। वर्ष 2007 में उसकी गिरफ्तारी के बाद वह जेल में रहा और 2019 में रिहा हुआ। जांच एजेंसियों का दावा है कि रिहाई के बाद उसने फिर से आतंकी संपर्क स्थापित किए और एक नया मॉड्यूल खड़ा करने की कोशिश की।

आतंकवाद की यही प्रवृत्ति सबसे अधिक चिंताजनक है कि वह बार बार नए चेहरों और नई रणनीतियों के साथ सामने आता है। कभी वह हथियारों के जरिए हमला करता है, कभी वैचारिक युद्ध के माध्यम से समाज में जहर घोलने की कोशिश करता है। पोस्टर जैसे प्रतीत होने वाले साधारण माध्यम का उपयोग भी यदि किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा हो सकता है, तो यह सुरक्षा तंत्र के लिए गंभीर चेतावनी है।तमिलनाडु से छह बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी ने इस पूरे प्रकरण को और व्यापक बना दिया है। जांच में यह संकेत मिले कि इन लोगों को किसी बड़ी वारदात के लिए तैयार किया जा रहा था। सुरक्षा एजेंसियां अब इनके नेटवर्क, फंडिंग और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की पड़ताल कर रही हैं। यह भी जांच का विषय है कि किस प्रकार सीमापार बैठे हैंडलर भारत के भीतर युवाओं को प्रभावित करने या भ्रमित करने का प्रयास करते हैं।इस पूरे घटनाक्रम के समानांतर अरब सागर में विदेशी सामान की तस्करी का मामला भी सामने आया, जिसमें अल मुख्तार नामक नाव से लगभग पांच करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी सिगरेट बरामद की गई। चार ईरानी नागरिकों को हिरासत में लिया गया और उनके पास से सैटेलाइट फोन जब्त किए गए। यद्यपि यह मामला सीधे तौर पर आतंकवाद से जुड़ा हुआ सिद्ध नहीं हुआ है, परंतु तस्करी, अवैध वित्तीय लेनदेन और आतंकी गतिविधियों के बीच संबंधों को नकारा नहीं जा सकता। कई बार ऐसे अवैध माध्यम ही आतंकवाद की फंडिंग का आधार बनते हैं।

आतंकवाद केवल बंदूक और बम का नाम नहीं है। यह एक विचारधारा भी है जो असंतोष, कट्टरता और भ्रम के सहारे पनपती है। जब कोई संगठन युवाओं को राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए प्रेरित करता है, तो वह केवल कानून का उल्लंघन नहीं करता बल्कि समाज की एकता और विश्वास को भी तोड़ने का प्रयास करता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में जहां अनेक धर्म, भाषाएं और संस्कृतियां साथ रहती हैं, वहां ऐसी गतिविधियां सामाजिक सौहार्द के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं।सुरक्षा एजेंसियों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था मजबूत है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को हल्के में नहीं लिया जाता। तकनीकी निगरानी, खुफिया सूचनाओं का आदान प्रदान और राज्यों के बीच समन्वय ने इस साजिश को नाकाम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। किंतु यह भी सत्य है कि आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई केवल सुरक्षा बलों के भरोसे नहीं लड़ी जा सकती। समाज की सजगता, नागरिकों की जिम्मेदारी और युवाओं में सकारात्मक सोच का विकास भी उतना ही आवश्यक है।आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से कट्टरपंथी विचारों का प्रसार तेज गति से होता है। सीमापार बैठे तत्व भ्रामक सूचनाओं और उकसावे के जरिए युवाओं को अपने जाल में फंसाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में शिक्षा, जागरूकता और संवाद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि युवाओं को सही दिशा, रोजगार और अभिव्यक्ति के स्वस्थ अवसर मिलें, तो वे किसी भी भटकाव का शिकार नहीं होंगे।

भारत ने पिछले दशकों में आतंकवाद की भारी कीमत चुकाई है। जम्मू कश्मीर से लेकर महानगरों तक अनेक निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई है। इसलिए प्रत्येक साजिश का समय रहते पर्दाफाश होना न केवल सुरक्षा की जीत है, बल्कि यह उन सभी नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह भी है जो शांति और विकास का सपना देखते हैं।इस घटना से यह स्पष्ट संदेश जाता है कि आतंकवाद चाहे वैचारिक हो या सशस्त्र, उसकी जड़ें काटने के लिए बहुआयामी रणनीति आवश्यक है। सीमाओं की सुरक्षा, खुफिया तंत्र की मजबूती, वित्तीय लेनदेन पर निगरानी और समाज में जागरूकता का विस्तार एक साथ चलना चाहिए। साथ ही, जो लोग भटक चुके हैं, उनके पुनर्वास और मुख्यधारा में लौटने के प्रयास भी किए जाने चाहिए, ताकि वे फिर किसी साजिश का हिस्सा न बनें।

अंततः यह समझना होगा कि आतंकवाद का लक्ष्य केवल भय फैलाना नहीं होता, बल्कि वह राष्ट्र की एकता और विश्वास को कमजोर करना चाहता है। जब देश की एजेंसियां सतर्कता और समन्वय के साथ ऐसी साजिशों को विफल करती हैं, तो यह लोकतंत्र की शक्ति और सामूहिक संकल्प का प्रतीक बनता है। भारत की विविधता, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिकों की सजगता ही आतंकवाद के विरुद्ध सबसे बड़ी ढाल है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

एक नासमझ की नस्लीय टिप्पणी से पूर्वोत्तर तक पीड़ा

मनोज अग्रवाल

> यह कोई पहली बार नहीं है कि पूर्वोत्तर भारत के लोगों के साथ उनकी शारीरिक बनावट व संस्कृति को लेकर कहीं शेष देश में अभद्रता की गई हो। यहां तक कि एक बार तो पूर्वोत्तर के एक मुख्यमंत्री प्रेस वार्ता में यह कहते रो पड़े थे कि उन्हें भारतीय तक नहीं समझा जाता है। बीते साल मई में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर को हमारे विविधता के राष्ट्र में सबसे विशिष्ट क्षेत्र बताया था। लेकिन दुखद तथ्य यह है कि कुछ ताकतें इन टिप्पणी को तूल देकर बात का बतंगड़ बना कर पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के दिलों में विष वमन करने के लिए लगी रहती है । हालांकि कई बार इन राज्यों के लोग अक्सर नस्लीय भेदभाव का शिकार होते हैं लेकिन यह राज्य की कानून व्यवस्था से जुड़े मामले होते हैं जिन्हें नस्लीय भेदभाव से जोड़ कर अलगाव की फसल पैदा करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है।

नई दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में अरुणाचल प्रदेश की तीन लड़कियों के साथ कथित नस्लीय टिप्पणी और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। एयर कंडीशनर लगाने को लेकर शुरू हुआ एक मामूली पड़ोसी विवाद देखते ही देखते गंभीर आरोपों में बदल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है यह कोई पहली बार नहीं है कि पूर्वोत्तर भारत के लोगों के साथ उनकी शारीरिक बनावट व संस्कृति को लेकर कहीं शेष देश में अभद्रता की गई हो। यहां तक कि एक बार तो पूर्वोत्तर के एक मुख्यमंत्री प्रेस वार्ता में यह कहते रो पड़े थे कि उन्हें भारतीय तक नहीं समझा जाता है। बीते साल मई में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर को हमारे विविधता के राष्ट्र में सबसे विशिष्ट क्षेत्र बताया था। लेकिन दुखद तथ्य यह है कि कुछ ताकतें इन टिप्पणी को तूल देकर बात का बतंगड़ बना कर पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के दिलों में विष वमन करने के लिए लगी रहती है । हालांकि कई बार इन राज्यों के लोग अक्सर नस्लीय भेदभाव का शिकार होते हैं लेकिन यह राज्य की कानून व्यवस्था से जुड़े मामले होते हैं जिन्हें नस्लीय भेदभाव से जोड़ कर अलगाव की फसल पैदा करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। कुछ समय पूर्व देहरादून में त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के दो महीने से भी कम समय बाद, अब दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं को उनके पड़ोसियों ने कुत्सित शब्द धंधेवाली से संबोधित किया और मोमो बेचने को कहा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उन्हें अपने ही देश में, और वह भी देश की राष्ट्रीय राजधानी में बेगाना करार दे दिया गया। विडंबना यह है कि यह अभद्रता किसी झगड़े या आवेश की प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि यह पहचान और जातीयता पर लक्षित हमला था।

इस घटनाक्रम के बाद एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर धर्म, जाति व जन्मस्थान आदि के आधार पर कटुता फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा अन्य आरोप भी लगाए गए हैं। निस्संदेह, इस दंपति के आपत्तिजनक व्यवहार ने एक गहरे जख्म को ही उजागर किया है, जो सबका साथ, सबका विकास की अवधारणा को सिरे से खारिज करने वाली सोच है। साल 2014 में नीदो तानिया की हत्या से लेकर 2025 में अंजेल चकमा की हत्या तक, यह दुराग्रहों का सिलसिला साफ नजर आता है। अक्सर आरोप लगाये जाते रहे हैं कि पूर्वोत्तर के छात्रों व श्रमिकों को उनकी शारीरिक बनावट, खान-पान और भाषा के आधार पर निशाना बनाया जाता है। यह विडंबना ही है कि कुछ संकीर्ण लोग भारत की समृद्ध विविधता की विरासत का मर्म नहीं पहचानते हैं। किसी राज्य की भौगोलिक स्थिति, जलवायु व सदियों से चली आ रही संस्कृति हमारे रूप-रंग-भाषा व व्यवहार का निर्धारण करती है। कोस-कोस पर भाषा-पानी बदलने वाले देश की यह विविधता इसकी खूबसूरती भी है। इसके मर्म का सम्मान करना व अंगीकार करना हर भारतीय का दायित्व भी है। पर्वतीय इलाकों का परिवेश व जलवायु व्यक्ति के सरल, सहज, सौम्य व्यवहार व कद-काठी का भी निर्धारण करती है। पूर्वोत्तर समाज में स्त्री प्रधान पारिवारिक व्यवस्था तथा सार्वजनिक जीवन में उसकी महती भूमिका को शेष देश के लोगों द्वारा संशय से देखा जाता है। फलत परस्पर विश्वास की इस सामाजिक व्यवस्था में स्त्री की भूमिका को लेकर नकारात्मक धारणाएं गढ़ ली जाती हैं। यही वजह है कि पूर्वोत्तर के लोगों द्वारा आरोप लगाया जाता कि उनकी महिलाओं को शक की नजर से देखा जाता है और उन पर बिना किसी आधार के अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप तक लगाए जाते हैं। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी क्षेत्रीय पहचान को लेकर किए जाने वाले किसी भेदभाव के प्रति अक्सर चेताया है।

मौजूदा घटना क्रम में अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली तीन युवतियां अपने किराए के फ्लैट में एसी लगवा रही थीं। इंस्टॉलेशन के दौरान ड्रिलिंग से उठी धूल-मिट्टी नीचे वाले फ्लैट की ओर गिर गई।

नीचे रहने वाली पड़ोसी महिला ने इस पर आपत्ति जताई। शुरुआत में यह सामान्य पड़ोसी विवाद जैसा प्रतीत हो रहा था, लेकिन कुछ ही देर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि महिला ने गुस्से में युवतियों के खिलाफ नस्लीय और आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इसी दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।वायरल वीडियो में आरोपी महिला को कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुना और देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई यूजर्स ने इसे नस्लीय भेदभाव का मामला बताते हुए सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पूर्वोत्तर भारत के नागरिकों के साथ भेदभाव को लेकर पहले भी बहस होती रही है, और इस घटना ने इस संवेदनशील मुद्दे को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है।घटना के बाद पीड़ित युवतियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। शुरुआती जांच में वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि मामले में अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएं भी लागू हो सकती हैं। इसके बाद केस में इन प्रावधानों को जोड़ा गयाजांच आगे बढ़ने के साथ पुलिस ने आरोपी महिला, जिसकी पहचान रूबी जैन के रूप में हुई है, को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने जांच के दौरान एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराएं आरोपी के खिलाफ जोड़ी हैं.पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद पूछताछ जारी है और मामले की जांच एसीपी स्तर के अधिकारी की निगरानी में की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो के अलावा अन्य साक्ष्यों की भी बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाई जा सके।इस मामले में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू समेत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी मामले में प्रतिक्रिया व्यक्त कर दुख जताया है। सब समूचे सभ्य समाज की अवधारणा कुछ इने गिने नासमझ लोगों की टिप्पणी से नहीं आंकी जानी चाहिए ।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8653

1		2	3	■	4	5		6
	■	7		8			■	
9	10	■	■		■	■	11	
■		■	12		13	■		■
14				■	15			
■		■	16	17		■		■
18		■	■		■	■	19	20
	■	21	22		23	24	■	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी, नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि, कमरिया-3
14. फटकार, भर्त्सना-4
15. वतन, स्वेदश-4
16. पार होना, पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब, निर्धन-2
21. लोचदार, लचकदार-5
25. पारंपरिक, पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता, जल्दी-3
2. मूल्य, कीमत-2
3. जनता, आम आदमी-2
4. किनारा, कोरा-2
5. इंकार, मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम, वहम-3
10. साधू, संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा, जीभ-3
17. रसदार, रसभरा-3
18. कारण, वजह-3
20. नेत्र, लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया, पंख-3
24. रग, नाड़ी-2

शब्द पहेली -8652 का हल

■	शा	र	दा	■	सा	हि	ल	■
दा	म	■	न	■	ल	■	त	ब
ख	■	प्रा	व	धा	न	■	■	रा
ल	व	ण	■	न	■	त	ह	त
■	■	ना	म	■	रा	ह	■	■
ती	र	थ	■	स	■	ल	ग	न
स	■	■	मु	च	ल	का	■	क
रा	ज	■	नी	■	ह	■	बे	टा
■	न	र	म	■	जा	हि	ल	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.07 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	08.38 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.18 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.16 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.29 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	16.46 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.57 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.08 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.23 ब.से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	धनु	01.39 बजे से
		मकर	03.44 बजे से
		कुंभ	05.30 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 60 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 19.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 08.35 बजे को समाप्त।
योग शोभन 14.33 बजे को समाप्त।
करण कौलव 07.55 बजे तदनन्तर तैतिल 19.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 40'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872635
जूलियन दिन 2461100.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 11
विशेष रवि प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

शांति समिति की बैठकः सभी पर्व आपसी सौहार्द से मनाने का निर्णय

अनूपपुर। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्वक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य से शनिवार को कोतवाली थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन, पुलिस, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न समुदायों के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर सर्वसम्मति से मिल-जुलकर त्योहार मनाने का निर्णय लिया।

जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली तथा पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशन में आयोजित इस बैठक में आगामी होलिका दहन, धुरेड़ी, रंगपंचमी, चेट्री चंड (श्री झूलेलाल जयंती), गुड़ी पड़वा, ईद-उल-फितर, श्री रामनवमी एवं श्री हनुमान जन्मोत्सव को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में एसडीएम अनूपपुर कमलेश पुरी, टीआई कोतवाली अरविन्द जैन, यातायात थाना प्रभारी विनोद दुबे, होमगार्ड प्रभारी उपनिरीक्षक रामनरेश भवेदी, नगर पालिका उपयंत्री बृजेश पाण्डेय, मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के उपयंत्री मनीष जोशी सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, डीजे एवं साउंड सिस्टम संचालक, मीडिया प्रतिनिधि, नगर एवं ग्राम रक्षा समिति के सदस्य तथा कोटवार बंधु सहित लगभग 100 गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने पर्वो के दौरान कार्यक्रम स्थलों पर साफ-सफाई एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने, सड़कों पर झुके हुए बिजली तारों को ऊंचा कराने, जुलूसों के दौरान पुलिस एवं यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखने तथा होली पर्व पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के सुझाव दिए।

प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने सभी सुझावों पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन देते हुए नागरिकों से आपसी भाईचारे एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

चरणतीर्थ पावनधाम (रेउसा) में 11 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ की पूर्णाहूति, 'स्वधर्म बोध' का लिया संकल्प

कोतमा। चरणतीर्थ पावनधाम (रेउसा) में आयोजित 11 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा का शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चार और पूर्णाहूति के साथ समापन हुआ। 18 फरवरी से प्रारंभ हुए इस 10 दिवसीय धार्मिक आयोजन में क्षेत्रभर से श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में सहभागिता रही।

अनुष्ठान का संचालन खजुरीताल पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी श्रीरामललाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में हुआ। ब्रह्ममुहूर्त में यज्ञ की अंतिम आहुतियां दी गईं, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। आयोजकों के अनुसार आगामी 12 वर्षों तक प्रतिवर्ष इसी प्रकार महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ के दौरान 'स्वधर्म बोध' और सामाजिक एकता का संदेश प्रमुख रहा। महाराज ने कहा कि समाज में समरसता और आपसी सद्भाव बनाए रखना ही सनातन संस्कृति का मूल है। 卐जाति-पांति पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई卐 का संदेश देते हुए छुआछूत जैसी कुरीतियों को समाप्त करने का आह्वान किया गया। पूर्णाहूति के बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति द्वारा व्यवस्था के लिए स्वयंसेवकों की तैनाती की गई थी।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकारों को 'सत्य का प्रहरी' बताते हुए उनका सम्मान किया गया और समाज निर्माण में उनकी भूमिका की सराहना की गई।

'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने का सराहनीय प्रयास

जिला पंचायत अध्यक्ष,उपाध्यक्ष सीईओ ने मेला में खरीददारी कर समूह की महिलाओं का बढ़ाया उत्साह

विजय मत, अनूपपुर

रंगों के महापर्व होली के अवसर पर जनजातीय लोक कला, संस्कृति और ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने हेतु स्थानीय सामतपुर तालाब परिसर में दो दिवसीय ÷आजीविका होली मेला÷ का भव्य शुभारंभ हुआ। यह मेला 01 मार्च 2026 तक प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा।

कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी के निर्देशन में आयोजित इस मेले का मुख्य उद्देश्य माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को धरातल पर साकार करना है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वावधान में आयोजित इस मेले के माध्यम से स्व-सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु एक सशक्त मंच प्रदान किया गया है।

मेले के मुख्य आकर्षण (स्व-सहायता समूहों के उत्पाद)

मेले में ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों कोदो-कुटकी, कोदो कुकीज, कोदो नमकीन, सुगंधित चावल, शहद, आंवला कैंडी, विभिन्न प्रकार के अचार, पापड़ और बड़ी तथा होली विशेष में रसायनों से मुक्त हर्बल गुलाल और शुद्ध प्राकृतिक रंग एवं हस्तशिल्प एवं सौंदर्य में गोंडी

पेंटिंग, काष्ठ शिल्प, मूर्तिकला, अगरबत्ती, हर्बल साबुन, हैंडवॉश और डिशवॉश की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है।

मेले का विधिवत शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति रमेश सिंह, उपाध्यक्ष पार्वती बाल्मिक राठौर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी,विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों ने होली मेला स्टॉलों का अवलोकन कर खरीदारी की तथा समूहों का उत्साहवर्धन किया।

इस प्रकार के आयोजनों से न केवल स्व-सहायता समूहों को बाजार उपलब्ध होता है, बल्कि स्थानीय उत्पादों के उपयोग के प्रति आमजन में जागरूकता भी बढ़ती है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे मेले में पहुँचकर स्थानीय उत्पादों को अपनाएं और ग्रामीण उद्यमियों के आर्थिक सशक्तिकरण में सहभागी बनें।

किसानों को उच्च गुणवत्ता के मत्स्य बीज कराए जा रहे उपलब्ध

उमरिया। प्रदेश सरकार व्दारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही सरकार व्दारा पेश किए गए बजट में मत्स्य बीज उत्पादन में भी बजट का आवंटन किया गया है। किसानों को आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करने सरकार निरंतर रूप से उनके हित में कार्य कर रही है। सहायक संचालक मत्स्याद्योग ने बताया कि मत्स्य बीज उत्पादन योजना के तहत किसानों को उच्च गुणवत्ता के मत्स्य बीज उपलब्ध कराने हेतु जिले में स्थित शासकीय, निजी मत्स्य बीज प्रक्षेत्र पर मत्स्य बीज उत्पादन, संचयन कर मत्स्य पालकों को शासकीय दर पर उनके तालाब, जलाशयो मे संचयन हेतु अच्छी गुणवत्ता, के मत्स्य बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होने बताया कि वर्ष 2025-26 में स्पान के बीज का 1105 लाख में तथा स्टै 0 फ्राय के 206.02 लाख में मत्स्य बीज का उत्पादन किया गया है।

पुलिस की कार्रवाईः 1.235 किलो गांजा के साथ शातिर तस्कर गिरफ्तार

विजय मत, अनूपपुर

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बिजुरी पुलिस ने एक शातिर गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 किलो 235 ग्राम गांजा जब्त किया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के तस्करों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में बिजुरी पुलिस ने यह कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार 27 फरवरी 2026 को धनिया ठेला तिराहा में वाहन चेकिंग के दौरान बेलिया छोट की ओर से आ रही बिना नंबर की होंडा कंपनी की एसपी 125 (ब्लैक-ग्रीन) मोटरसाइकिल के चालक की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। तलाशी लेने पर मोटरसाइकिल की डिक्की से 'नंदी' लिखा एक झोला बरामद हुआ। झोले की जांच करने पर उसमें हरी सूखी पत्तियां, डंठल और बीज युक्त मादक पदार्थ गांजा मिला।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अविनाश गुप्ता (23) निवासी पत्थर्रा, थाना पेंड्रा, जिला जीपीएम (छत्तीसगढ़) बताया। मौके पर तैयार किए गए पंचनामा के अनुसार बरामद गांजा का वजन 1.235 किलोग्राम पाया गया। आरोपी के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में अपहरण, बलात्कार, हत्या के प्रयास एवं गांजा तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के चार मामले दर्ज हैं।

अमरकंटक माउंटेन ट्रैक का शुभारंभ, जोहिला डैम में टेंट सिटी बना पहला पड़ाव

विजय मत, अनूपपुर

कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन अनूपपुर द्वारा मां नर्मदा की पावन नगरी अमरकंटक में आयोजित चार दिवसीय 'वॉटरफॉल माउंटेन ट्रैक' का भव्य शुभारंभ किया गया। यह आयोजन विश्व प्रसिद्ध ट्रैकिंग संस्था के सहयोग से संपन्न हो रहा है। माउंटेन ट्रैकिंग के प्रथम दिवस ट्रैकर्स का दल जिले के मनोरम जोहिला क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है।

ग्रामीण परंपरा से स्वागत और परिचय

प्रथम पड़ाव पर के प्रतिनिधियों एवं ट्रैकर्स का स्थानीय ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक तिलक एवं पुष्पगुच्छ से आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर परिचय सत्र आयोजित कर क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विशेषताओं पर संवाद किया गया।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ गणेश पांडे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जैतहरी, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पांडे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ट्रैकिंग के प्रथम दिवस का मुख्य आकर्षण जोहिला डैम रहा, जहाँ ट्रैकर्स के लिए अस्थायी टेंट (बेस कैंप) स्थापित किए गए हैं। विंध्य पर्वतमालाओं की गोद में स्थित इस स्थल पर प्रतिभागियों ने प्रकृति के मध्य रात्रि विश्राम किया। प्रतिनिधि श्री अंकित कुमार के नेतृत्व में (शून्य कचरा नीति) का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की पर्यावरणीय शुचिता बनी रहे। रात्रि विश्राम उपरांत ट्रैकिंग दल आगामी दिवस पडौना वॉटरफॉल की ओर प्रस्थान करेगा।जिला प्रशासन की यह पहल साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने एवं स्थानीय स्वरोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में एचपीवी टीकाकरण अभियान का किया शुभारंभ

अनूपपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प और विश्वास के अनुरूप किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने हेतु एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ आज कलेक्टर अनुपपुर हर्षल पंचोली द्वारा जिला चिकित्सालय अनुपपुर में किया गया।जिले की किशोरियों के लिए यह एक ऐतिहासिक स्वास्थ्य पहल है। 28 फरवरी 2026 से प्रारंभ यह विशेष टीकाकरण अभियान 09 से 15 वर्ष 3 माह आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर के लगभग 99 प्रतिशत मामलों का प्रमुख कारण एचपीवी वायरस है, जिससे बचाव के लिए यह टीका अत्यंत प्रभावी माना जाता है।

कलेक्टर ने किया अस्पताल का निरीक्षण

शुभारंभ उपरांत कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला चिकित्सालय का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों से चर्चा कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की, अस्पताल की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा ओपीडी सेवाओं के संचालन की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए।

टीकाकर्मी मधु पाल द्वारा किशोरी को एचपीवी टीका लगाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। जिला चिकित्सालय की समस्त टीकाकरण टीम कार्यक्रम में उपस्थित रही। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी, जिला

पुलिस का खुलासाः बैंक खातों के जरिए धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

विजय मत, कोतमा

बैंक खातों का दुरुपयोग कर सरकारी योजनाओं के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े गिरोह का कोतमा थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

थाना कोतमा में 27 फरवरी 2026 को ग्राम पडोर (लतार), थाना भालूमाड़ा निवासी दीपक केवट ने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोगों द्वारा सरकारी योजना का लाभ दिलाने के नाम पर उसकी पासबुक और एटीएम कार्ड रख लिए गए, कमीशन की मांग की गई तथा खाते का गलत इस्तेमाल कर धोखाधड़ी की गई।

थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नाम्बर शुक्ल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों– शैलेन्द्र पांडेय (निवासी बदरा), बादल सोनी, विजय कश्यप, टिंकल जिवनानी एवं आशीष सोनी (निवासी कोतमा)–के विरुद्ध धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।

जांच के दौरान आरोपी बादल सोनी, टिंकल जिवनानी एवं आशीष सोनी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उनके कब्जे से 19 एटीएम कार्ड, तीन मोबाइल फोन एवं सिम कार्ड जब्त किए गए। सभी खाते बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बताए गए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ग्राम बिजौड़ी स्थित एक कियोस्क सेंटर के माध्यम से बैंक खाते खुलवाते थे। खाताधारकों से दस्तावेज लेकर एटीएम, पासबुक एवं मोबाइल सिम अपने पास रख लेते थे और इनका उपयोग अवैध लेन-देन व धोखाधड़ी में करते थे। मामले में बैंक कर्मियों एवं अन्य लोगों की संभावित संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

उक्त कार्रवाई में निरीक्षक रत्नाम्बर शुक्ल के साथ उपनिरीक्षक सुखीनंद यादव, प्रधान आरक्षक संजीव त्रिपाठी, प्रधान आरक्षक रामखेलावन यादव, आरक्षक अभय त्रिपाठी, महेश साहू तथा साइबर सेल से प्रधान आरक्षक राजेन्द्र अहिरवार एवं आरक्षक पंकज मिश्रा की अहम भूमिका रही।

समीक्षा

ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रख ग्राम स्तर पर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में करें कार्य- सीईओ जिला पंचायत

ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा कर जिला पंचायत सीईओ ने दिए निर्देश

विजय मत, शहडोल

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने ग्रीष्मकालीन ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल समस्या के निदान के लिए बिगड़े हैंडपंपों को सुधारने, नल जल योजनाओं के क्रियान्वयन तथा ग्राम पंचायत के टैंकर में सुधार कार्य/ मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत सीईओ जिला पंचायत सभागार में ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हैं उक्ताशय के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत,जनपद पंचायत के अधिकारी, सहायक यंत्री, उपयंत्री उपस्थित थे।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने गौशालाओं में बोरवेल के माध्यम से पेयजल सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के तकनीकी अमले के साथ संयुक्त भ्रमण कर पेयजल सुविधा के उपलब्धता के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत में जल समस्या से संबंधित रजिस्टर का संधारण करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत को स्वायत्त बनाने के लिए स्व करारोपण पद्धति के पालन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वच्छता, नल जल, प्रकाश, संपत्ति कर तथा भवन अनुज्ञा के माध्यम से करो की वसूली के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि भवन अनुज्ञा आवेदन ग्राम पंचायत में प्राप्त किया जाए तथा विधिवत निर्माण की अनुमति दी जाए पोर्टल से भी आवेदन ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उन्होंने बैठक में बकाया विद्युत बिल के भुगतान तथा अनावश्यक विद्युत कनेक्शन को विच्छेद करने की कार्रवाई के निर्देश दिए।

वृंदावन ग्राम दारसागर,अमगवां, केल्हौरी, के विकास कार्य से संबंधित सर्वे का कार्य एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पेसा गांव में तेंदूपत्ता संग्रहण को प्रोत्साहित करने के निर्देश देते हुए जिला समन्वयक पेसा को प्रशिक्षण संबंधी निर्देश दिए।

बैठक में स्टांप शुल्क मद के स्वीकृत पंचायत भवन निर्माण कार्य, प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा अंतर्गत विभिन्न श्रम नियोजित कार्यों, हितग्राही मूलक एक बगिया मां के नाम,जल गंगा संवर्धन के अंतर्गत खेत तालाब के कार्यों की समीक्षा की गई।

बैठक में चालू वित्तीय वर्ष के मनरेगा लेबर बजट की पूर्णता के लिए श्रमिक नियोजन को बढाए जाने के निर्देश देते हुए जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को लक्ष्य अनुरूप प्रगति लाने के निर्देश दिए उन्होंने जैतहरी एवं अनूपपुर जनपद पंचायत को प्रतिदिन की रणनीति तय कर श्रमिक नियोजन में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

बैठक में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता साथी के माध्यम से स्वच्छता के कार्य के लिए क्यूआर कोड के माध्यम से मांग पूर्ति कर स्वच्छता साथियों का सभी ग्राम पंचायत के शौचालय, सामुदायिक स्वच्छता परिसर तथा शासकीय संस्थाओं के शौचालय तथा नागरिकों के व्यक्तिगत शौचालय को साफ सुथरा रखने के लिए स्वच्छता साथियों का सहयोग लिया जाए।

उन्होंने स्वच्छता साथियों को प्रदान की गई सफाई मशीन के संधारण तथा रखरखाव के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियो को स्वच्छता साथियों का बेहतर उपयोग करने तथा उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए वास इन व्हील योजना का ग्राम स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड की गतिविधियों पांचवा एवं 15वां वित्त के कार्यों, मध्यान भोजन कार्यक्रम तथा मनरेगा कन्वर्जेंस से निर्मित किया जा रहे किचन शेड सह भंडार गृह डाइनिंग हॉल निर्माण कार्य की समीक्षा तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा कर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।

निकाय उन्नयन पर बड़ा सवाल एक मंच से तीन नगर परिषदों का ऐलान

अनूपपुर। जिले के डोला, डूमरकछार और बनगवां को उस समय ऐतिहासिक सौगात मिली थी, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्राम पंचायत राजनगर के स्टेडियम में एक ही मंच से तीनों ग्राम पंचायतों को नगर परिषद का दर्जा देने की घोषणा की थी।कार्यक्रम में नवगठित निकायों में कर्मचारियों के संविलियन के लिए चयन समिति गठित करने और नियमों के तहत पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने के निर्देश भी दिए गए थे,लेकिन उन्नयन के कुछ ही समय बाद अब इन्हीं नगर परिषदों–डोला, डूमर कछार और बनगवां में कर्मचारियों के संविलियन को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आ रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, ग्राम पंचायत डोला के नगर परिषद में उन्नयन के बाद 59 कर्मचारियों की सूची उच्च अधिकारियों को भेजी गई, पूर्व सरपंच शारदा मरावी का दावा है कि उनके 10 वर्ष के कार्यकाल में ग्राम पंचायत डोला में शासन द्वारा स्वीकृत केवल दो ही कर्मचारी थे एक सचिव और एक मेट ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर 51 कर्मचारियों की सूची कैसे और किन आधारों पर तैयार हुई मरावी का आरोप है कि यह सूची ÷पूरी तरह से गलत÷ है और इसकी शिकायत कई बार जनप्रतिनिधियों व मीडिया के माध्यम से भी की जा चुकी है,लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही इस सम्बंध में नहीं हुई है।

नगर पालिका सेवा अधिनियम, 1967 के नियम 8 के तहत संविलियन कर्मचारियों को तीन वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जाना था। आदेश में स्पष्ट उल्लेख था कि पद के अनुरूप इस अवधि में संबंधित कर्मचारियों को एलएसडीजी (स्स्ष्ठत्र) डिप्लोमा, फायरमैन का डिप्लोमा,ड्राइविंग लाइसेंस, कंप्यूटर टाइपिंग दक्षता प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा, साथ ही मेडिकल सर्टिफिकेट और चरित सत्यापन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना था उपरोक्त दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए तो संविलियन कर्मचारी स्वतः ही पंचायत काल के कर्मचारी के रूप में मूल पद पर वापस कर दिए जाएंगे मतलब शर्त साफ थी कि यदि डिप्लोमा, आवश्यक प्रमाण

न्यूज़ इन शॉर्ट

चौकी केशवाही पुलिस द्वारा अवैध रेत परिवहन पर कार्यवाहीए ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

शहडोल। रात्रि में भ्रमण के दौरान मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त पर रेड कार्यवाही में ग्राम पकरिहा में एक महिंद्रा कंपनी का ट्रैक्टर क्रमांक सीजी.31.सी 2545 के ट्राली में अवैध रेत लोड कर परिवहन करते हुए पाये जाने पर ट्रैक्टर चालक पारस केवट पिता मिठाई लाल केवट उम्र 25 वर्ष एवम् वाहन स्वामी विष्णुकांत शुक्ला दोनों निवासी ग्राम पकरिहा चौकी केशवाही थाना बुढार जिला शहडोल के विरुद्ध बीएनएस एवं खनिज अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। सराहनीय भूमिका. उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी बुढार के निर्देशन में प्रधान आरक्षक राजभान सिंह, आरक्षक उमेश राठौर एवं गणेश सिंह का सराहनीय भूमिका रही।

नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में अपचारी बालक गिरफ्तार

शहडोल। थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में अपचारी बालक गिरफ्तार जिला शहडोल के महिला थाना में एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म किए जाने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई थी। प्रकरण में पीड़िता द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर विधिविरूध्द बालक के विरुद्ध अपराध धारा बीएनएस एवं पाक्सो एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दिनांक 27.02.2026 को जब पीड़िता परीक्षा देकर घर लौट रही थी। इसी दौरान विधिविरूध्द बालक द्वारा द्वारा उसे जबरन जंगल की ओर ले जाकर दुष्कर्म किया गया। घटना के संबंध में पीड़िता द्वारा परिजनों को सूचित किया गयाए जिसके पश्चात महिला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा त्वरित का?वाही करते हुए आरोपी अपचारी बालक को दिनांक 28.02.2026 को अभिरक्षा में लिया गया। आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर आरोपी को माननीय किशोर न्यायालयए शहडोल के समक्ष प्रस्तुत किया गया।सराहनीय भूमिका. उक्त कार्यवाही निरीक्षक थाना प्रभारी अजय कुमार थाना प्रभारी जयसिंहनगर के नेतृत्व मेंए सउनि. प्रमोद कुमार, प्र आर नंदकुमार सिंह, आरक्षक उदय सिंह आरक्षक अर्जुन, आरक्षक प्रहलाद, म.आर खुशबू लोधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देवलोंद पुलिस द्वारा 10 साल पुराने मामले का फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

शहडोल। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, ब्यौहारी के प्रकरण क्रमांक आरसीटी 1314/2016, अपराध क्रमांक 230/2015 धारा 294ए 323ए 506 भाण्दंण्सं में लंबित प्रकरण के आरोपी प्रतिपाल सिंह गोड पिता मोतीलाल सिंह गोड निवासी ग्राम सेजहरीए थाना देवलोंदए जिला शहडोल ;मण्प्रण्द्ध को विधिवत गिरफ्तार किया गया।उक्त आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन था एवं आरोपी न्यायालयीन कार्यवाही से अनुपस्थित चल रहा था। माननीय न्यायालय द्वारा जारी स्थाई वारंट के पालन में पुलिस द्वारा सतत प्रयास करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी उपरांत आरोपी को विधिवत माननीय न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणीए ब्यौहारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सराहनीय भूमिका. उक्त कार्यवाही उनि. सुभाष दुबे थाना प्रभारी देवलोंद के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक दिनेश शुक्ला, आरक्षक, दीपक रावत आरक्षक, आदित्य सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

क्या शहडोल का बहुप्रतीक्षित एयरपोर्ट अनूपपुर शिफ्ट होगा?

विकास की दौड़ में कौन आगे कौन पीछे?

विजय मत, शहडोल

शहडोल जिले में प्रस्तावित एयरपोर्ट निर्माण को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज होती दिख रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पूर्व में शहडोल में एयरपोर्ट निर्माण का आश्वासन दिया गया था। इसके बाद जिला प्रशासन की ओर से लालपुर हवाई पट्टी की उपलब्ध भूमि तथा अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता संबंधी विवरण प्रदेश के विमानन विभाग को भेजे जाने की जानकारी सामने आई थी।लेकिन अब संकेत मिल रहे हैं कि यह बहुप्रतीक्षित परियोजना कहीं अनूपपुर की ओर रुख न कर ले।

अनूपपुर की सक्रियता, शहडोल की चुप्पी?

मुख्यमंत्री द्वारा अनूपपुर जिला में भी एयरपोर्ट निर्माण की घोषणा की गई थी। इस मुद्दे को लेकर अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री विशाल लाल सिंह ने विधानसभा में आवाज उठाई है और प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की है।

दूसरी ओर, शहडोल जिला के जनप्रतिनिधियों–विशेषकर जयसिंहनगर, जैतपुर और ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों–की ओर से अब तक इस विषय पर कोई मुखर पहल सामने नहीं आई है। यही वह बिंदु है जहाँ राजनीतिक इच्छाशक्ति पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं।

निवेश वादे बनाम ज़मीनी हकीकत

शहडोल संभाग में आयोजित इन्वेस्टर्स मीट में लगभग 32,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की चर्चा हुई थी। किंतु उद्योग स्थापना की दिशा में ठोस गतिविधियाँ अभी तक स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देतीं।

इसके विपरीत, अनूपपुर जिले में ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश की प्रक्रिया आगे बढ़ती दिख रही है। इससे स्वाभाविक रूप से यह संदेश जाता है कि जो क्षेत्र सक्रिय रूप से प्रयासरत हैं, वहाँ विकास परियोजनाएँ तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

शिक्षा और अधोसंरचना: अधूरे वादे?

शहडोल में शासकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा भी की गई थी, किंतु उसकी प्रगति अब तक स्पष्ट नहीं है। सवाल यह है कि यदि अधोसंरचना–एयर कनेक्टिविटी, रेल कनेक्टिविटी, औद्योगिक निवेश और उच्च शिक्षा संस्थान–समय पर स्थापित नहीं होते, तो क्षेत्रीय संतुलित विकास कैसे संभव होगा?

विजय मत
जनसरोकार
अजय जायसवाल

व्यापक दृष्टि: तीनों जिलों का समान विकास

शहडोल संभाग में शहडोल, अनूपपुर और उमरिया–तीनों जिले शामिल हैं। उद्देश्य किसी एक जिले का विकास नहीं, बल्कि पूरे संभाग का समग्र उत्थान होना चाहिए।

यह क्षेत्र खनिज संपदा, वन संसाधन और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। यहाँ से बहने वाली नर्मदा एवं सोन नदी जैसी जीवनदायिनी धारा और अन्य नदियाँ क्षेत्र की भौगोलिक महत्ता को दर्शाती हैं। यदि एयरपोर्ट, पर्यटन, उद्योग और स्किल डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में समन्वित योजना बनाई जाए, तो यह संभाग मध्यप्रदेश के विकास मानचित्र पर प्रमुख स्थान पा सकता है।

जनप्रतिनिधियों की भूमिका

शहडोल लोकसभा क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह सहित सभी विधायकों का दायित्व है कि वे संयुक्त रूप से राज्य और केंद्र सरकार के समक्ष एयर कनेक्टिविटी, रेल विस्तार, सड़क उन्नयन और कौशल विकास केंद्रों की मांग को प्रभावी ढंग से रखें। कॉलेजों से हर वर्ष बड़ी संख्या में निकल रहे शिक्षित युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की आवश्यकता अब अत्यावश्यक हो चुकी है। अन्यथा पलायन की समस्या और गहराती जाएगी।

निष्कर्ष: विकास प्रतिस्पर्धा नहीं, समन्वय का विषय

यह मुद्दा शहडोल बनाम अनूपपुर का नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन और प्रशासनिक सक्रियता का है।

यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक तत्परता और जनप्रतिनिधियों का समन्वित प्रयास हो, तो शहडोल संभाग न केवल एयर कनेक्टिविटी प्राप्त कर सकता है, बल्कि औद्योगिक, शैक्षणिक और पर्यटन विकास का नया अध्याय भी लिख सकता है।

अब प्रश्न यह है–क्या शहडोल अपने बहुप्रतीक्षित एयरपोर्ट के लिए संगठित आवाज उठाएगा, या विकास की यह उड़ान किसी और जिले से भरेगी?

जिलेवासी रासायनिक रंगो से दूर रहकर पर्यावरण अनुकूल और सुरक्षित होली मनाये-कलेक्टर

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने शहडोल जिले के नागरिकों से होली के त्यौहार को परंपरागत, हर्षोल्लास,उमंग एवं सौहार्दपूर्ण मनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि रंगोत्सव के पर्व होली के अवसर पर जिलेवासी रासायनिक रंगों से दूर रहकर पर्यावरण अनुकूल और सुरक्षित होली मनाएं तथा पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निर्वहन करें।

उन्होंने कहा होली पर्व के अवसर पर राज्य शासन द्वारा स्वच्छ और स्वस्थ होली अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इस अभियान में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार जिले के नागरिक बढ़-चढ़कर सहभागी बनें और पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना योगदान दें।

कलेक्टर ने कहा कि होलिका दहन में

गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन स्वयं करें एवं दूसरों को भी गौकाष्ठ होलिका दहन करने के लिए प्रेरित करें। जिले में विभिन्न स्तरों पर आयोजित किए जाने वाले सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का निःशुल्क पंजीयन ग्राम पंचायत, तहसील तथा नगरीय निकायों के माध्यम से कराए जाने की व्यवस्था की गई है। पंजीयन के समय आयोजक संस्था की संक्षिप्त जानकारी जैसे पदाधिकारी, संपर्क नंबर इत्यादि प्राप्त किया जाएगा, होलिका दहन के दिन मैदानी अमले के साथ इन संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम का भ्रमण कर, जलाऊ एवं इमारती वनों की लकड़ी के स्थान पर गौ काष्ठ एवं उपलो पर आधारित होलिका दहन को प्रोत्साहित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार आगामी दिनों में निर्धारित दिनांक या अवधि में सभी जिला मुख्यालयों में जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें ऐसी सभी संस्थाओं एवं उनके पदाधिकारी को मुख्यमंत्री जी की ओर से तैयार किया गया पर्यावरण संरक्षण संबंधित प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा, राज्य शासन के द्वारा ऐसी संस्थाओं को भविष्य में अन्य किसी प्रकार से प्रोत्साहन या सहयोग दिया जाना हो तो इस बारे में भी प्राथमिकता दी जाएगी।

डीएफओ दक्षिण ने वनरक्षक पटासी को किया निलंबित

शहडोल। वन मंडलाधिकारी, दक्षिण वन मंडल श्रद्धा पंद्रे ने वन मण्डल दक्षिण शहडोल में वन परिक्षेत्र शहडोल अंतर्गत बीटगार्ड पटासी में पदस्थ शिवप्रसाद मरकाम, वनरक्षक को बिना किसी सूचना के स्वेच्छापूर्वक 18 सितंबर 2025 से अपने कर्तव्य ड्यूटी व मुख्यालय से अनुपस्थित रहने एवं अनाधिकृत रूप से शासकीय सुरक्षा की राशि आहरण कर इनके द्वारा सुरक्षा श्रमिकों का भुगतान भी नहीं करने के फलस्वरूप म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 09 के प्रावधान अंतर्गत शिवप्रसाद मरकाम, वनरक्षक, वन परिक्षेत्र शहडोल बीटगार्ड पटासी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

सरसों उत्पादक किसानो को मिलेगा भावान्तर योजना का लाभ

भावांतर योजना का लाभ लेने के लिए किसानो का पंजीयन प्रारंभ

विजय मत, शहडोल

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के द्वारा किसान कल्याण वर्ष 2026 में सरसों उत्पादक किसानो को एमएसपी से कम दाम मिलने पर अंतर की राषि का भुगतान करने का निर्णय भावांतर योजना से लिया है। वर्तमान में सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6200 रूपये प्रति क्विंटल है।

भावांतर योजना का लाभ लेने के लिए जिले में किसानो का पंजीयन 26 फरवरी से प्रांरभ हो चुका है जो 20 मार्च तक किया जाएगा। पंजीयन ई-उपार्जन पोर्टल पर जिले के 35 सहकारी समितियों के माध्यम से किया जा रहा है। जिसमें सोहागपुर तहसील की सेवा सहकारी समिति सोहागपुर, सिंहपुर, मझगंवा, जमुई, सामतपुर तथा छतवई में बुढार तहसील की सेवा सहकारी समिति धनपुरी एवं बुढार जैतपुर तहसील में केषवाही, गिरवा, (बलबहरा) रसमोहनी, जैतपुर, झींकबिजुरी में गोहपारू तहसील में गोहपारू (मोहतरा), पलसउ,लफदा (देवरी), दियापीपर, कन्नौधी तथा लेदरा(चुहिरी) में जयसिंहनगर तहसील में जयसिंहनगर, ठेंगरहा, अमझोर, बनसुकली, सीधी, टिहकी में, ब्यौहारी तहसील में ब्यौहारी, पपरेडी, भन्नी, खैरा, पपौढ़ (तिखवा), पपौध, चचाई, जनकपुर, सुखाढ, एवं देवगंवा (खड्डु) में किया जाएगा। इन केंद्रो के अतिरिक्त किसान ग्राम पंचायत कार्यालय,जनपद पंचायत कार्यालय, तहसीलो में स्थापित सुविधा केंद्रो पर निःषुल्क तथा एमपी ऑनलाइन कियोस्क, सर्विस सेंटर कियोस्क, लोक सेवा केंद्रो, एवं निजी व्यक्तियो द्वारा संचालित सायबर कैंफे पर सषुल्क पंजीयन करा सकते है।

थाना सोहागपुर पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका की दस्तयाबी

शहडोल। थाना सोहागपुर क्षेत्रांतर्गत फरियादी द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री दिनांक 22ण्01ण्2026 को घर से बिना बताये कहीं चली गई थी। जो शाम तक वापस नहीं लौटी। आसपास एवं रिश्तेदारी में तलाश करने पर भी उसका कोई पता नहीं चला। फरियादी द्वारा संदेह व्यक्त किया गया कि अज्ञात व्यक्ति ने उसकी नाबालिग पुत्री को बहला.फुसलाकर भगा ले गया है। रिपोर्ट पर थाना सोहागपुर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस द्वारा सक्रियता एवं तत्परता से कार्यवाही करते हुए अपहृता नाबालिग बालिका को रेलवे स्टेशन शहडोल से दिनांक 26ण्02ण्2026 को सुरक्षित रूप से दस्तयाब किया गया।

सुप्रभात सूर्य नमस्कार प्रांगण बना अव्यवस्था का प्रतीक

विजय मत, शहडोल

शहडोल नगर के कलेक्ट्रेट परिसर के सामने नगर पालिका द्वारा बड़े उत्साह के साथ निर्मित किया गया श्सुप्रभात सूर्य नमस्कार प्रांगण आज अपनी बदहाल स्थिति के कारण चर्चा में है। जिस स्थान को योगए प्राणायाम और स्वास्थ्य चेतना का केंद्र बनाया जाना थाए वह अब उपेक्षा और अव्यवस्था का उदाहरण बन चुका है। प्रांगण में सूर्य नमस्कार के 12 योगासन की आकर्षक मूर्तियां स्थापित की गई थींए ताकि नागरिकों को योग के प्रति प्रेरित किया जा सकेए लेकिन वर्तमान हालात इस उद्देश्य पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं।

प्रांगण के ठीक बगल में कचरे का ढेर लगा हुआ हैए जिससे न केवल वातावरण दूषित हो रहा है बल्कि आने.जाने वाले लोगों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नियमित साफसफाई के अभाव में यहां दुर्गंध फैलने लगी है। सुबह.सुबह योग करने आने वाले लोग इस स्थिति से निराश होकर लौट जाते हैं।

इसके अतिरिक्तए प्रांगण में लगाए गए पेवर ब्लॉक और पत्थर कई स्थानों पर टूट चुके हैं। जगह.जगह दरारें और उखड़े हुए हिस्से दिखाई देते हैंए जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यह स्थिति नगर पालिका की रखरखाव व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

रात में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

जहां दिन के समय योग और ध्यान का वातावरण होना चाहिएए वहीं रात के समय यह स्थल असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसारए देर रात तक यहां संदिग्ध गतिविधियां देखी जाती हैं। बैठने की जो व्यवस्था नागरिकों की सुविधा के लिए की गई थीए वही अब गलत उपयोग का माध्यम बन गई है। इससे आसपास के क्षेत्र में असुरक्षा की भावना भी बढ़ रही है।

रूफगार्डन भी पहुंचा जर्जर अवस्था में

प्रांगण के साथ विकसित किया गया रूफ गार्डनए जिसे आधुनिक शहरी सौंदर्य के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया थाए अब जर्जर हालत में है। जमीन से ऊंचे स्थान पर विकसित यह बगीचा कभी आकर्षण का केंद्र हुआ करता थाए लेकिन अब सूखे पौधेए टूटी संरचनाएं और रखरखाव की कमी इसकी बदहाली बयान कर रही हैं। हरियाली की जगह अब उजाड़ दृश्य नजर आता है।

अनदेखी

शहर के प्रमुख चौराहों पर नियमों की अनदेखी कर लगी तेज चमकदार स्क्रीन, प्रशासन की कार्यवाही पर उठे सवाल

डिजिटल एलईडी स्क्रीन की चकाचौंध से वाहन चालकों की बढ़ी मुश्किलें

विजय मत, शहडोल

शहर में होर्डिंग्स के बाद अब चल चित्रों वाली एलईडी स्क्रीन का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख मार्गों और बाजार क्षेत्रों में लगी इन डिजिटल स्क्रीन की तेज रोशनी शाम ढलते ही लोगों की आंखों को चुभने लगती है। खासकर वाहन चालकों को अचानक पड़ने वाली चमक के कारण सामने का दृश्य स्पष्ट नहीं दिखता, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। नागरिकों का कहना है कि यह चकाचौंध अब परेशानी का कारण बनती जा रही है।

मॉडल रोड पर सबसे ज्यादा असर

मॉडल रोड पर एक मॉल के सामने लगी बड़ी एलईडी स्क्रीन को लेकर सबसे अधिक शिकायतें सामने आ रही हैं। यहां लगातार बदलते विज्ञापन और वीडियो चलते रहते हैं, जिनकी तीव्र रोशनी आसपास से गुजरने वाले लोगों को असहज कर देती है। व्यस्त मार्ग होने के कारण यहां से बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं, ऐसे में तेज चमक हादसों का कारण बन सकती है।

गांधी चौक में साइन बोर्ड की जगह स्क्रीन

गांधी चौक क्षेत्र में कई मोबाइल दुकानों ने

पारंपरिक साइन बोर्ड की जगह डिजिटल स्क्रीन लगा दी हैं। इन पर आकर्षक और बार-बार बदलता कंटेंट प्रदर्शित किया जाता है, जिससे राहगीरों और चालकों का ध्यान भटकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय इनकी रोशनी और भी ज्यादा प्रभावी हो जाती है, जिससे आंखों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

नियमों की अनदेखी पर उठे सवाल

विशेषज्ञों के अनुसार डिजिटल स्क्रीन लगाने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं। चलते वाहनों की दिशा में अत्यधिक चमक या तेजी से बदलते दृश्य नहीं होने चाहिए। साथ ही सड़क से 50 से 100 मीटर की दूरी और दो स्क्रीन के बीच न्यूनतम दूरी बनाए रखना अनिवार्य है। लेकिन शहर में इन मानकों का पालन होता नजर नहीं आ रहा है।

कार्रवाई की मांग, प्रशासन का आश्वासन

नियमों के विपरीत लगे बोर्ड और स्क्रीन पर कार्रवाई की* जिम्मेदारी नगर पालिका की है, लेकिन अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल निरीक्षण कर उचित कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी नगरपालिका अधिकारी एसएस तोमर ने कहा है कि मामले की जांच कर नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

धनपुरी पुलिस द्वारा 05 माह से फरार एनडीपीएस आरोपी गिरफ्तार

विजय मत, शहडोल

मुखबिर सूचना पर धनपुरी पुलिस ने बंगबार कॉलोनी के पीछे दबिश देकर शुभम तिवारी उम्र 30 वर्ष को अवैध कोरेक्स बिक्री करते गिरफ्तार किया था। पुलिस द्वारा उसके कब्जे से 16 नग कोडीन युक्त व्छम्त्म् कफसिरपए 16 नग कोरेक्स कफसिरपए 01 मोबाइल व ?1500 नगद सहित कुल ?14ए724 का मशरूका जब्त किया गया था।पूछताछ में प्रकरण में सह आरोपी मोहम्मद जफर उर्फ राजा बाबू ;28 वर्षद्धए निवासी नरगड़ा मोहल्लाए धनपुरी का नाम सामने आयाए जो घटना के बाद से फरार चल रहा था।दिनांक 28.02.2026 को धनपुरी पुलिस ने मुखबिर सूचना पर आरोपी मोहम्मद जफर उर्फ राजा बाबू पिता अफजल मुसलमान उम्र 28 साल निवासी नरगडा मोहल्ला धनपुरी थाना धनपुरी जिला शहडोल को नरगड़ा मोहल्ला से गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया गया। सराहनीय भूमिका. उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरीक्षक खेमसिंह पेन्द्रो धनपुरी के नेतृत्व मेंए उप निरीण् नागेन्द्र प्रताप सिंहए उपनिरीण् आरण्पीण् प्रजापतिए सउनि भारत सिंहए प्रण्आरण् शैलन्द्र सिंह राठौरए गेंद सिंह उईकेस आरक्षक सतवंतए भरत लाल शर्माए बीरेन्द्र सिंहए कोमल लोधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीसरे वनडे में उतरेगी भारतीय महिला टीम, बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार की सख्त जरूरत

होबार्ट,एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में एकतरफा हार झेलने के बाद मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब पूरी तरह बैकफुट पर खड़ी है। रविवार को होबार्ट में होने वाला तीसरा और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भारत के लिए केवल सम्मान बचाने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त लेकर श्रृंखला अपने नाम कर चुका है और यह लगातार 12वीं बार है जब भारत द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस प्रतिद्वंद्वी से हार चुका है। भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी कमजोर बल्लेबाजी रही है। पहले वनडे में पावरप्ले के भीतर ही तीन महत्वपूर्ण विकेट खोने के बाद टीम 214 पर सिमट गई। दूसरे वनडे में हालांकि टीम ने 78 रनों की शानदार साझेदारी से शुरुआत की, लेकिन मध्य और निचले क्रम ने इसे भुनाया नहीं। 17वें से 31वें ओवर के बीच मात्र 52 रनों पर पांच विकेट गंवाना टीम के पतन की बड़ी वजह रहा। परिणामस्वरूप भारत नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से हासिल कर लिया।

टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जहां दो अर्धशतक जड़े, वहीं युवा सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शून्य पर आउट होने के बाद शानदार अर्धशतक से वापसी की। स्मृति मंधाना भी दो मैचों में 31 और 58 रन बनाकर अच्छी लय में दिखीं। लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा का फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हरमनप्रीत ने भी स्वीकार किया कि टीम ने बार-बार वही गलतियां दोहराईं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट गंवाए जिससे बड़ा स्कोर खड़ा नहीं हो सका। भारत की गेंदबाजी की स्थिति भी उतनी मजबूत नहीं दिखी। दीप्ति ने दो मैचों में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन उनके अलावा तेज गेंदबाज काशवी गौतम और क्रांति गौड़ को पावरप्ले में अधिक प्रभावी होने की जरूरत है। श्री चरणी पहले मैच में दो विकेट लेने के बाद दूसरे मैच में काफी महंगी साबित हुईं। खराब फील्डिंग ने टीम की परेशानियां और बढ़ाईं गौड़, मंधाना और ऋचा घोष के कैच छोड़ने से ऑस्ट्रेलिया को और बढ़त मिली।इसके विपरीत ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हर विभाग में अपना दबदबा कायम रखा है। दूसरे वनडे में जॉर्जिया वोल के दमदार शतक और फीबी लिचफील्ड की शानदार बल्लेबाजी ने मैच को एकतरफा बना दिया। पहले मैच में बेथ मूनी, एलिसा हीली और एनाबेल सदरलैंड ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। गेंदबाजी में मेगन शट, एशले गार्डनर, अलाना किंग और सदरलैंड ने लगातार विकेट निकालकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। भारत भले ही टी20 श्रृंखला 2-1 से जीत चुका है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की दो वनडे की जीत ने बहु-प्रारूप श्रृंखला में उसे 6-4 की बढ़त दिला दी है। भारत को न केवल तीसरे वनडे में बल्कि पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट में भी दम दिखाना होगा, ताकि इस दौरे का अंत निराशाजनक न हो।

टीम इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, पत्रिका सिंह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।
ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलीसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

पिता के निधन के बाद रिंकू ने निभाई जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा स्टार रिंकू सिंह अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच उनके पिता का निधन हो गया, लेकिन इस गहरे दुख के बावजूद रिंकू ने हिम्मत दिखाते हुए टीम इंडिया में दोबारा शामिल हो गए है और वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के इडन गार्डन में होने वाले मैच के लिए तैयार हैं। रिंकू 26 फरवरी को भारत और जिम्बाबवे के बीच खेले गए मैच में मैदान पर मौजूद थे। हालांकि वे प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं थे, लेकिन सब्सटीट्यूट फील्डर के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई। मैच खत्म होने के कुछ घंटे बाद, 27 फरवरी की सुबह उन्हें उनके पिता खानचंद सिंह के निधन की दुखद सूचना मिली। सूचना मिलते ही रिंकू चेन्नई से सीधे अपने शहर अलीगढ़ पहुँचे और अपने पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देकर अंतिम संस्कार किया। इससे पहले भी, वह टूर्नामेंट के दौरान अपने पिता की खराब तबीयत के चलते अस्पताल गए थे।

लवलीना और निकहत की अगुआई में उतरेगा भारत

मुम्बई,एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की 20 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगी। भारत ने एक महीने तक चली गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद 20 सदस्यीय टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था।

राष्ट्रमंडल खेल और एशियाड के लिए अहम है टूर्नामेंट

चयन नीति के अनुसार एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए चुना जाएगा। इससे इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का महत्व बढ़ गया है। स्पेन में हाल ही में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली लवलीना (75 किग्रा) महिला टीम की अगुआई करेंगी। स्पेन में स्वर्ण पदक जीतने वाली अन्य खिलाड़ियों प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) है।

अरुण जेटली स्टेडियम में होगा मुकाबला

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में रविवार दोपहर नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगी। प्रोटियाज अपनी अजेय लय को सात मैचों तक बढ़ाना चाहेंगे, जबकि जिम्बाब्वे टूर्नामेंट का समापन सम्मानजनक तरीके से करना चाहेगा। दक्षिण अफ्रीका इस वर्ल्ड कप में अब तक अपने सभी छह मुकाबले जीत चुका है और 10 के नेट रन रेट के साथ सबसे दमदार टीम के रूप में उभरा है। टीम अगर जिम्बाब्वे को मात देती है, तो यह टी20 प्रारूप में उसकी दूसरी सबसे लंबी जीत की श्रृंखला बन जाएगी। कप्तान एडन मार्क्रम बेहतरीन फॉर्म में हैं। वे 178 की स्ट्राइक रेट से 264 रन बना चुके हैं।

सुजीत कलकल ने बढ़ाया भारत का मान, स्वर्ण जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

अंडर-23 विश्व चैंपियन सुजीत कलकल ने मुहामेट मालो 2026 कुश्ती टूर्नामेंट में पुरुषों की 65 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता। 23 साल के भारतीय पहलवान ने फाइनल में अजरबैजान के राशिद बाबाजादे को 10-0 से हराया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के नीका जकाशविली को 10-0 से हराने और अल्बानिया के एंड्रियो अवदली पर 16-4 की जीत के साथ अपने कैंपेन की शुरुआत करने के बाद सेमीफाइनल में अमेरिका के दो बार के पैन अमेरिकन चैंपियन जोसेफ मैककेना पर 11-0 से शानदार जीत हासिल की।

क्रोएशिया में भी जीता था स्वर्ण

इस महीने की शुरुआत में क्रोएशिया में जाग्रेब ओपन जीतने के बाद, यह 2026 यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग रैंकिंग सीरीज में सुजीत का लगातार दूसरा स्वर्ण पदक है। सुजीत ने एंड्रियो अवदली पर 16-4 से जीत के साथ वार्म अप किया, जिन्होंने बाउट की शुरुआत में भारतीय खिलाड़ी को चार अंक पर पटक दिया था। नीका जकाशविली (जॉर्जिया) अगले 10-0 से हार गए, इससे पहले सुजीत ने जोसेफ मैककेना (अमेरिका) को 11-0 से हराया, यह स्कोर जाग्रेब ओपन के सेमीफाइनल जैसा ही था।

10-0 से राशिद को हराकर विजेता बने

राशिद, जिन्होंने सेमीफाइनल में विटाली अरुजाउ (अमेरिका) के खिलाफ 16-13 से जीत हासिल की थी, वे फाइनल में मुकाबला नहीं कर पाए। सुजीत ने उन्हें 10-0 से हराकर लगातार दूसरा रैंकिंग सीरीज स्वर्ण पदक जीता। कुल मिलाकर, यह यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग रैंकिंग सीरीज सर्किट में सुजीत का चौथा स्वर्ण पदक था। इससे पहले उन्होंने 2022 जैहैर शघायर और 2025 पोलाक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल में टॉप स्थान हासिल किया था। इसी कैटेगरी में हिस्सा ले रहे भारत के मोहित कुमार क्वालिफाइंग राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए।

57 किग्रा श्रेणी में अंकुश और आतिश टोडकर ने कांस्य पदक तक पहुंचने के लिए रेपेचेज में मुकाबला किया, लेकिन अपने-अपने मैचों में हार गए। इस बीच, सुमित (57 किग्रा), राहुल (61 किग्रा), सिद्धार्थ (70 किग्रा), परविंदर (74 किग्रा), और आर्यन (86 किग्रा) अपने-अपने वेट डिवीजन में मेडल राउंड तक पहुंचने में नाकाम रहे। भारत ने मुहामेट मालो 2026 के लिए 48 सदस्यों की कुश्ती टीम भेजी थी, जिसमें पुरुषों की फ्रीस्टाइल, महिलाओं की डिवीजन और ग्रीको-रोमन कैटेगरी में 16-16 लोग शामिल थे।

जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास पहली बार रणजी ट्रॉफी जीती

हुबली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी के इतिहास में नया अध्याय लिख दिया है। पारस डोगरा की कप्तानी में टीम ने पहली बार प्रतिष्ठित रणजी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। हुबली के डी.आर. बेंद्रे क्रिकेट स्टेडियम में कर्नाटक के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले का परिणाम ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में मिली विशाल बढ़त के आधार पर जम्मू-कश्मीर को विजेता घोषित किया गया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जम्मू-कश्मीर ने शानदार शुरुआत की। टीम ने पहली पारी में 584 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

शुभम पुंडिर ने 121 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जबकि यावेर हसन खान ने 88, साहिल लोतरा ने 72, कन्हैया वधावन और कप्तान पारस डोगरा ने 70-70 रन का योगदान दिया। कर्नाटक की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने पांच विकेट झटके, लेकिन जम्मू-कश्मीर की मजबूत बल्लेबाजी को रोकना आसान साबित नहीं हुआ।

व्यापार

सोना 170000 प्रति 10 ग्राम और चांदी 300000 लाख रुपये तह पहुंच सकती है

मुंबई,एजेंसी

इजरायल ने फिर ईरान पर हमला कर दिया है। इजरायली रक्षामंत्री ने इसकी पुष्टि कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। हमले पर ईरान की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आ गई है। ईरान की प्रतिक्रिया जिस तरह से सामने आई है उससे साफ है कि यह तनाव शायद ही जल्द समाप्त हो। अगर अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता है, तब इसका सीधा असर सोने और चांदी की कीमतों पर होगा। आने वाले समय में गोल्ड और सिल्वर के दाम इजाफा देखने को मिल सकता है। जानकारों का मानना है कि घरेलू बाजार में सोने का भाव 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी फिर से 300000 लाख रुपये के स्तर तक पहुंच सकती है।

सेबी रजिस्टर्ड मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं, अमेरिका-ईरान तनाव की वजह से अनिश्चितता के दौर में इजाफा होगा। निवेशक ऐसी परस्थिति में सुरक्षित निवेश की तलाश करेगा। हम सोने और चांदी की कीमतों में तेजी की उम्मीद कर रहे हैं। एक्सपर्ट कहते हैं, सीओएमईएक्स गोल्ड रेट 5300 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसके ऊपर जाने पर भारत में सोने का भाव 168000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक जा सकता है।

सीओएमईएक्स सिल्वर रेट 93 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतें 95 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। एक्सपर्ट मानते हैं, अगर सीओएमईएक्स सिल्वर रेट 95 डॉलर प्रति आउंस के स्तर को क्रॉस करने में सफल रही तब यह फिर से 100 डॉलर प्रति आउंस के स्तर तक पहुंच सकती है। भारत में चांदी की कीमतें फिर से 300000 लाख रुपये के स्तर तक जा सकता है। हालिया समय में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिली है। हालांकि, उस हिसाब से फरवरी का महीना नहीं बीता है।

सप्ताह मिलाजुला रुझान देखा गया

- सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर एक फीसदी से अधिक तेजी रही भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुझान दिखाया, जिसमें शुरुआती मजबूती के बाद मध्य और अंत में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच भारतीय बाजारों में स्थिरता बनी रही, निवेशकों का नजरिया तेजी से सतर्क हो गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष ने भी बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। इस तनाव की वजह से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। जिससे सप्ताह के आखिर में शेयर बाजार में एक फीसदी से अधिक की गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हरे निशान से हुई, जब वैश्विक बाजारों में तेजी और बैंक एवं सेवा क्षेत्र में खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने 621.78 अंकों की बढ़त के साथ 83,436.49 पर, जबकि एनएसई निफ्टी 180.05 अंकों की तेजी के साथ 25,751.30 पर कारोबार शुरू किया।

प्रोटेरियल आंध्र प्रदेश में लगाएगी मेटग्लास संयंत्र

नई दिल्ली। जापान की विशेष इस्पात एवं धातु उत्पाद निर्माता प्रोटेरियल (पूर्व में हिताची मैटल) ने आंध्र प्रदेश में 30,000 टन प्रति वर्ष (टीपीए) क्षमता का मेटग्लास संयंत्र स्थापित करने की योजना की घोषणा की है। यह परियोजना भारत सरकार की स्पेशलिटी स्टील के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) 1.2 योजना के तहत विकसित की जाएगी। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने एक साक्षात्कार में बताया कि संयंत्र के चालू होने के बाद यह भारत के लगभग आधे अमॉर्फस इलेक्ट्रिकल स्टील आयात की जगह ले सकेगा। उन्होंने कहा कि अगले तीन से पांच वर्षों में देश की इस श्रेणी में आयात निर्भरता लगभग समाप्त की जा सकती है। यह अत्याधुनिक संयंत्र श्री सिटी में स्थापित किया जाएगा और अक्टूबर 2026 तक इसके शुरू होने की उम्मीद है। मेटग्लास एक अमॉर्फस धातु सामग्री है।

फिर बढ़ी महंगाई: फरवरी में सीमेंट की औसत कीमत 342 रुपये प्रति बोरी पहुंची

नई दिल्ली,एजेंसी

फरवरी में सीमेंट बाजार ने मिलीजुली तस्वीर पेश की। जनवरी में बढ़ी कीमतों के बाद उम्मीद थी कि रुझान और मजबूत होगा, लेकिन स्थिति न तो बहुत तेज रही और न ही पूरी तरह सुस्त। पूरे देश में औसत ट्रेड कीमत 2 रुपये बढ़कर 342 रुपये प्रति बोरी हो गई। क्षेत्रीय तौर पर हालात अलग रहे। पश्चिम भारत में दाम 7 रुपये प्रति बोरी तक बढ़कर सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। पूर्व में 4 रुपये और उत्तर में 3 रुपये की तेजी रही।

मध्य भारत में कीमतें लगभग स्थिर रहीं, जबकि दक्षिण भारत में औसतन 2 रुपये प्रति बोरी की गिरावट दर्ज की गई। कुछ बाजारों में महीने की शुरुआत में बढ़ी कीमतें बाद में सामान्य हो गईं। जनवरी और फरवरी मिलाकर चालू तिमाही में औसत दाम पिछली तिमाही से करीब 1 प्रतिशत अधिक रहे। इससे कंपनियों को थोड़ी राहत मिली। बाजार को इस बार बड़े निर्माण और सरकारी प्रोजेक्ट्स का सहारा मिला। खुदरा बाजार में दाम 0 से 15 रुपये प्रति बोरी ऊपर-नीचे रहे, जबकि बड़े ऑर्डर वाले सौदों में 0 से 20 रुपये तक बढ़त दर्ज हुई। ज्यादातर जगहों पर मांग जनवरी की तुलना में बेहतर रही, लेकिन खुदरा खरीदार अभी पूरी ताकत से नहीं उतरे।

मार्च के पहले 10 दिन होली के कारण कामकाज धीमा रह सकता है। मार्च में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना ज्यादातर इलाकों में कम है।

हालांकि बिहार, पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में 10-15 रुपये प्रति बोरी तक दाम बढ़ाने की तैयारी चल रही है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल मांग ठीक है, इसलिए अचानक बड़ी गिरावट की संभावना कम है। असली परीक्षा यह होगी कि कंपनियां बढ़े हुए दाम को कितने समय तक संभाल पाती हैं।

भारत, यूरोपीय संघ के व्यापार समझौते में मध्यस्थता से जुड़ा परिशिष्ट शामिल

नई दिल्ली,एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने हाल ही में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के निष्कर्ष की घोषणा की। समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है और इसे अगले वर्ष लागू किया जा सकता है। एफटीए में मॉडल मध्यस्थता प्रक्रिया पर एक अलग परिशिष्ट शामिल है, जिसका उद्देश्य विवादों का त्वरित और आपसी सहमति से समाधान करना है। समझौते के अनुसार भारत या ईयू कोई भी पक्ष ऐसे उपाय के खिलाफ मध्यस्थता की मांग कर सकता है, जो द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डालता हो। हालांकि प्रक्रिया केवल दोनों पक्षों की आपसी सहमति से ही शुरू होगी। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर मध्यस्थ की नियुक्ति पर सहमति नहीं बनती, तो मध्यस्थता का अनुरोध स्वतः निरस्त माना जाएगा।

मध्यस्थता आम तौर पर उस पक्ष के क्षेत्र में होगी, जिसके पास अनुरोध भेजा गया है, या आपसी सहमति से किसी अन्य स्थान या माध्यम से भी इसे आयोजित किया जा सकता है। मध्यस्थ की नियुक्ति के 60 दिनों के भीतर समाधान तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। करीब दो दशक चली वार्ताओं के बाद संपन्न होगी।

टाटा में चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर फैसला टला

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर निदेशक मंडल ने फैसला टाल दिया। यह बैठक ऐसे समय हुई जब टाटा ट्रस्ट, जो टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, ने पिछले साल सर्वसम्मति से उन्हें तीसरा कार्यकाल देने की सिफारिश की थी। सूत्रों के अनुसार टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने पुनर्नियुक्ति को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं, जो इस प्रकार हैं- एयर इंडिया का अधिग्रहण और कंपनी के घाटे को लेकर चिंता में है।

बदलाव अब रेल टिकट लेने के लिए रेलवन ऐप डाउनलोड करना जरूरी होगा

आज से बदलेंगे कई नियम, यात्रा, मोबाइल और गैस बजट पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली,एजेंसी

1 मार्च से भारतीय रेलवे टिकट बुकिंग सिस्टम में बदलाव कर सकता है। पुराना यूटीएस ऐप बंद किया जा सकता है और अनारक्षित (जनरल) व प्लेटफॉर्म टिकट के लिए नया रेलवन ऐप अनिवार्य हो सकता है। यात्रियों को अब मोबाइल के जरिए टिकट लेना ज्यादा आसान तो होगा, लेकिन ऐप डाउनलोड करना जरूरी होगा। IRCTC के साथ यह नया डिजिटल विकल्प काम करेगा। काउंटर टिकट की सुविधा सीमित होने की भी संभावना है, इसलिए नियमित यात्रियों को पहले से तैयारी करनी चाहिए।

एलपीजी सिलेंडर के नए दाम- हर महीने की तरह 1 मार्च को घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के रेट अपडेट हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर एलपीजी सस्ती या महंगी हो सकती है। अगर दाम बढ़ते हैं तो आम परिवारों के मासिक बजट पर असर पड़ेगा, वहीं कीमत घटने पर कुछ राहत मिल सकती है।

सिम बाइंडिंग और मैसेजिंग ऐप्स पर सख्ती- 1 मार्च से सिम बाइंडिंग अनिवार्य हो सकती है। यानी वाट्सएप और टेलीग्राम जैसे ऐप्स को एक्टिव मोबाइल नंबर से लिंक करना जरूरी होगा। बिना वेरिफाइड सिम के ऐप का उपयोग संभव नहीं होगा। मल्टी-डिवाइस और वेब लॉगिन पर भी अतिरिक्त सुरक्षा लागू हो सकती है। यह कदम डिजिटल फ्रॉड और फर्जी अकाउंट रोकने के लिए बताया जा रहा है, जिसे दूरसंचार विभाग लागू कर सकता है।

बैंकिंग और यूपीआई नियमों में अपडेट- कुछ बैंक न्यूनतम बैलेंस, सेविंग अकाउंट नियम और क्रेडिट कार्ड चार्ज में बदलाव कर सकते हैं। PI लेनदेन में अतिरिक्त ओटीपी या नई लिमिट लागू की जा सकती है। इसका मकसद ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाना है।

सीएनजी-पीएनजी कीमतों की समीक्षा- महीने की शुरुआत में सीएनजी और पीएनजी दरों की भी समीक्षा होती है। कीमत बढ़ने पर वाहन ईंधन और घरेलू गैस खर्च बढ़ सकता है।

न्यूज इन शॉर्ट

शुभरंजन सेन बने राज्य वन बल प्रमुख

विजय मत, भोपाल। राज्य शासन द्वारा भारतीय वन सेवा के शुभरंजन सेन को राज्य वन बल प्रमुख नियुक्त किया गया है। शासन ने इसके आदेश भी जारी कर दिया है, जो कि 1 मार्च 2026 से प्रभावशील होगा। सेन वर्तमान में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) के पद पर मुख्यालय भोपाल में पदस्थ हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर किया नमन

विजय मत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत रत्न, प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर नमनकिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के नवनिर्माण में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का योगदान हर वर्ग की प्रगति में परिलक्षित होता है। उनके विचार सदैव राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देते रहेंगे।

तीन शहरों में स्थापित होंगे आधुनिक शराब जांच लैब

विजय मत, भोपाल। मध्य प्रदेश में लागू नई आबकारी नीति के तहत भोपाल, इंदौर और जबलपुर में शराब के सैंपलों को जांचने के लिए प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी। अब तक जांच अलग-अलग जगह करानी होती थी। रिपोर्ट मिलने में देरी और सैंपलों से छेड़छाड़ की आशंका भी बनी रहती थी। आबकारी विभाग प्रयोगशाला के लिए जल्द जगह चिह्नित करेगा। नीति में प्रदेश में बनने वाली शराब की देश और विदेश तक प्रचार करने खास आयोजन या विशेष स्थानों पर इनके सैंपल भी प्रदर्शित किए जाएंगे। नई प्रयोगशालाएं आबकारी विभाग के प्रत्यक्ष नियंत्रण में संचालित होंगी। इनमें आधुनिक मशीनों की सहायता से मदिरा की शुद्धता, अल्कोहल की मात्रा, रासायनिक संरचना और मानकों के अनुरूपता की जांच की जाएगी। इससे अवैध, मिलावटी या नकली शराब के निर्माण और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। प्रदेश के कई शहरों में विषाक्त शराब से होने वाली घटनाएं या मौत को देखते हुए प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी। जांच से अवैध शराब के निर्माण व परिवहन पर रोक लगेगी और राजस्व में भी बढ़ोतरी संभव है। अधिकारियों ने बताया कि आबकारी नीति में शराब की गुणवत्ता जांचने के लिए जबलपुर में भी आधुनिक प्रयोगशाला बनाने का निर्णय लिया है। अब तक अधिकांश सैंपल ग्वालियर भेजे जाते थे या स्थानीय स्तर पर एक लैब में जांच कराई जाती थी।

किसानों को सब्सिडी पर मिलेंगे 7.5 एचपी के ही सोलर पंप

विजय मत, भोपाल। प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के तहत प्रदेश के किसानों को सब्सिडी पर फिलहाल 7.5 एचपी क्षमता के सोलर पंप ही मिलेंगे। 10 एचपी सोलर पंप कनेक्शन को लेकर सरकार की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। इस संबंध में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला का कहना है कि मुख्यमंत्री से इस विषय पर अलग-अलग चरणों में चर्चा चल रही है।

बता दें कि 28 जून 2025 को भिंड के दंदरौआधाम में आयोजित किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना पोर्टल का शुभारंभ करते हुए किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर 10 एचपी का सोलर पंप देने की घोषणा की थी। लेकिन अब तक प्रदेश में 10 एचपी पंप कनेक्शन को लेकर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं हुए हैं। प्रदेश में 60 हजार से अधिक और भिंड जिले में करीब 350 किसानों ने 10 एचपी सोलर पंप के लिए आवेदन किया था। बाद में योजना के पोर्टल से 10 एचपी का विकल्प हटा दिया गया। इसके पश्चात सरकार ने प्रदेशभर में 7.5 एचपी सोलर पंप के लिए टेंडर जारी कर दिए। टेंडर जारी होने के बाद निजी कंपनियों ने उन किसानों से संपर्क करना शुरू कर दिया, जिन्होंने 10 एचपी पंप के लिए आवेदन किया था। किसानों से कहा गया कि फिलहाल सरकार केवल 7.5 एचपी का सोलर पंप उपलब्ध करा रही है, इसलिए वे अपना आवेदन 10 एचपी से 7.5 एचपी में कनवर्ट करा लें। बताया जा रहा है कि लगभग 200 किसानों ने अपना आवेदन परिवर्तित करा लिया है, जबकि शेष किसान अब भी 10 एचपी कनेक्शन की प्रतीक्षा में हैं। 10 एचपी के सोलर पंप पर लगभग छह लाख रुपये तक का खर्च आता है, जिसमें से अनुदान के बाद किसान को लगभग 58 से 60 हजार रुपये का अंशदान करना होता था। वहीं 7.5 एचपी पंप पर सरकार का वित्तीय भार अपेक्षाकृत कम आता है। किसानों के अनुसार 10 एचपी पंप में पानी का प्रेशर बेहतर मिलता है, जिससे सिंचाई में सुविधा रहती है।

म.प्र.को देश के कृषि पॉवर-हाउस के रूप में किया स्थापित

कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़ाकर बनाया जाएगा लाभकारी व्यवसाय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने पिछले दशक में कृषि क्षेत्र में 16 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक विकास दर हासिल कर स्वयं को देश के कृषि पॉवर-हाउस के रूप में स्थापित किया है। फसल उत्पादन, उत्पादकता, दुग्ध और मत्स्य पालन में हुई। इस अभूतपूर्व प्रगति के बाद अब राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़ाकर एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में परिवर्तित करना है। इस संकल्प के केंद्र में कृषि के उत्पादन और उत्पादकता को तकनीक के माध्यम से बढ़ाते हुए, मार्केटिंग और प्रोसेसिंग से जोड़ना है। समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश के लिए वर्ष-2026 कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि और किसानों पर केन्द्रित पूरे वर्ष संचालित होने वाली गतिविधियों से किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित

करने का मार्ग प्रशस्त किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के इस संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए सरकार कृषि अनुसंधान और मौसम आधारित जोखिम प्रबंधन को एक नई दिशा देने जा रही है। इस संकल्प के अंतर्गत राज्य की विशिष्ट फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करते हुए उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए महत्वपूर्ण अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की जा रही है, इसी क्रम में डिंडौरी में स्थापित होने जा रहे मध्यप्रदेश राज्य श्रीअन्न अनुसंधान केंद्र के माध्यम से मिलेट्स के उत्पादन एवं पोषण सुरक्षा को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाएगा।

किसानों को दिया जायेगा पूर्ण सुरक्षा कवच

किसानों को पूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करने के उद्देश्य से अब मौसम आधारित बीमा योजना का दायरा बढ़ाकर उसमें उद्यानिकी फसलों को भी शामिल किया जा रहा है। अनुसंधान, विविधीकरण और डिजिटल वेदर मैनेजमेंट का यह एकीकृत संगम न केवल कृषि को जोखिम मुक्त बनाएगा, बल्कि 'समृद्ध किसान, समृद्ध प्रदेश' के संकल्प को वास्तविकता में बदलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भरता के नए सोपान पर खड़ा करेगा।

'विदेश अध्ययन भ्रमण योजना'

कृषि क्षेत्र में वैश्विक नवाचारों को आत्मसात करने के लिए किसानों और अधिकारियों के लिए 'विदेश अध्ययन भ्रमण योजना' को पुनः प्रारंभ किया जा रहा है, जिससे विश्व की उन्नत तकनीकों को स्थानीय स्तर पर लागू किया जा सके। इसके साथ ही, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देते हुए ग्रीष्मकालीन मूंगफली की खेती के लिए एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जो किसानों के लिए आय का एक अतिरिक्त और मजबूत स्रोत बनेगी। खेती की मौसम पर निर्भरता और उससे जुड़ी अनिश्चितताओं को कम करने के लिए सरकार तकनीक-आधारित जोखिम प्रबंधन पर विशेष निवेश कर रही है। इसके तहत पूरे प्रदेश में 'विंडस' (Weather Information Network Data System) विकसित किया जा रहा है, जो किसानों को सटीक मौसम पूर्वानुमान और तात्कालिक कृषि सलाह (एग्री-एडवाइजरी) सीधे उनके मोबाइल पर उपलब्ध कराएगा। यह प्रणाली न केवल प्राकृतिक आपदाओं से फसल को बचाने में मदद करेगी, बल्कि बुवाई और कटाई के समय को वैज्ञानिक आधार प्रदान करेगी।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर मैपकास्ट द्वारा विज्ञान जागरूकता एवं नवाचार कार्यक्रम

41वें युवा वैज्ञानिक सम्मेलन के विजेताओं को किया गया सम्मानित

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट), भोपाल द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर शनिवार को रवीन्द्र भवन, भोपाल में विज्ञान जागरूकता एवं नवाचार आधारित राज्य स्तरीय कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। मेपकास्ट के निदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से राज्य के समग्र विकास को गति प्रदान करना परिषद का प्रमुख उद्देश्य है।परिषद प्रदेश के विकास के लिए अनुसंधान, नवाचार एवं विज्ञान प्रसार के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। विद्यार्थियों एवं युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से परिषद द्वारा विज्ञान मेले, प्रतियोगिताएं एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), भोपाल के निदेशक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर परिश्रम एवं सकारात्मक सोच के माध्यम से भारत के युवा भविष्य में विश्व स्तर पर अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में उज्जैन में 3 से 5 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस ''महाकाल द्ध द मास्टर ऑफ टाइम÷ पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें समय एवं विज्ञान से जुड़े रोचक पहलुओं को प्रस्तुत किया गया। मानसी चतुर्वेदी द्वारा प्रस्तुत ÷विज्ञान का पिटारा÷ कार्यक्रम के माध्यम से विज्ञान के विविध रोचक प्रयोगों एवं अवधारणाओं को सरल एवं आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया।इस अवसर पर 41वें युवा वैज्ञानिक सम्मेलन के प्रतिभागियों एवं विजेताओं को उनके उत्कृष्ट वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार कार्यों के लिए प्रशस्ति-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। परिषद के प्रमुख अनुसंधान एवं विकास डॉ. आर.एस. भारद्वाज ने सम्मेलन की संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले युवा वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया है।

सर्वाइकल कैंसर मुक्त मध्यप्रदेश बनाने के लिए बेटियों को वैक्सीन अवश्य लगवायें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

शीघ्र भरे जाएंगे डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ के खाली पद

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री एवं सागर ज़िले के प्रभारी राजेन्द्र शुक्ल ने सागर में रहस मेले के समापन समारोह में कहा कि सर्वाइकल कैंसर मुक्त मध्य प्रदेश बनाने के लिए बेटियों को वैक्सीन अवश्य लगवाए। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में डॉक्टर एवं पैरामेडिकल स्टाफ के खाली पद शीघ्र भरे जाएंगे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि पुरानी परंपराओं को जीवंत एवं क्रियान्वित रखना बड़ी बात है। ऐसे कार्य संस्कार को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा कि सागर के रहस मेले की गौरवशाली परंपरा को बनाये रखने का पुनीत कार्य विधायक एवं वरिष्ठ पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव के द्वारा किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 14 एवं 15 वर्ष की देश एवं प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा के लिए आज से सर्वाइकल मुक्त भारत एवं मध्य प्रदेश बनाने के लिए वैक्सीन लगाने का कार्य शुरू किया गया है। जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अजमेर एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के भोपाल से की है और आज सागर जिले में गढ़ाकोटा से यह शुरुआत की जा रही। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सभी

नागरिक स्वस्थ जीवन शैली अपनायें स्वस्थ रहें और आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि गौ माता को आवारा मत छोड़े उनकी सेवा करें। गौ माता यदि दूध नहीं दें फिर भी गोबर और गोमूत्र भी उपयोगी है। गौमाता भारत की समृद्धि की आधारशिला हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल और विधायक एवं पूर्व मंत्री भार्गव ने रोजगार मेले में चयनित अभ्यर्थियों को उनको नियुक्ति पत्र दिए साथ में शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान किया। विधायक एवं पूर्व मंत्री भार्गव ने कहा कि रहस मेला अंत्योदय मेला का विस्तृत रूप है।

मप्र और महाराष्ट्र होंगे कनेक्ट, फर्राटे भरेंगी गाड़ियां

2500 करोड़ की लागत से बनेगी फोरलेन सडक़

विजय मत, भोपाल

सिवनी से महाराष्ट्र के सावनेर तक 2,500 करोड़ की लागत से बनने वाली 150 किलोमीटर फोरलेन सडक़ का निर्माण काम जल्द ही शुरू होगा। फोरलेन निर्माण को लेकर सांसद बंटी विवेक साहू ने केन्द्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा था। जिसके जबाव में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद बंटी विवेक साहू को पत्र भेजकर फोरलेन निर्माण को लेकर की जाने वाली प्रक्रिया से अवगत कराया। सांसद बंटी विवेक साहू ने बताया कि केन्द्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 2,500 करोड़ की लागत से बनने वाले छिंदवाड़ा से सावनेर और छिंदवाड़ा से सिवनी के 150 किलोमीटर फोरलेन मार्ग के निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके निर्माण को लेकर विभागीय प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा सांसद बंटी विवेक साहू को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 547 छिंदवाड़ा से सावनेर एवं 347 छिंदवाड़ा से सिवनी को फोरलेन में कन्वर्ट करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

शासन स्तर पर ट्रैफिक सर्वेक्षण कराया गया था: सरकार के ट्रैफिक सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर और इन सडक़ों पर ब्लैक स्पॉटस की उपस्थिति, सामाजिक व आर्थिक महत्व तथा पर्यटन स्थलों से जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए फोरलेन चौड़ीकरण के लिए डिटेल परियोजना रिपोर्ट डीपीआर तैयार करने के लिए परामर्शदाता की नियुक्ति संबंधी निविदाएं प्राप्त कर ली गई हैं। डीपीआर के तैयार होने एवं उसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी। पत्र के अनुसार केन्द्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग विभाग ने फोरलेन के निर्माण को लेकर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। कार्यवाही पूरी होते ही अब जल्द ही नेशनल हाइवे 547 छिंदवाड़ा से सावनेर एवं 347 छिंदवाड़ा से सिवनी को फोरलेन में कन्वर्ट करने का काम प्रारंभ कर दिया जायेगा।

टीम नबीन में युवा और महिला चेहरों को वरीयता

विजय मत, भोपाल

भाजपा संगठन की राष्ट्रीय टीम में मध्य प्रदेश के कई चेहरे दिखाई दे सकते हैं। प्रदेश संगठन ने राज्य के ऐसे 15 नेताओं के नाम केंद्रीय नेतृत्व को भेजे हैं, जो अलग-अलग अंचलों से हैं और अभी सत्ता या संगठन के किसी पद पर नहीं हैं। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की टीम का गठन होना है और अन्य मोर्चे भी गठित किए जाने हैं। केंद्रीय नेतृत्व ने इस बारे में प्रदेश संगठन से सुझाव मांगे थे। वर्तमान में मध्य प्रदेश से सत्यनारायण जटिया (संसदीय बोर्ड सदस्य), ओम प्रकाश धुर्वे (राष्ट्रीय सचिव) और लाल सिंह आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष, एससी मोर्चा) जैसे नेता राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। पार्टी 2029 के लोकसभा चुनाव और संगठन की मजबूती को ध्यान में रखकर अनुभवी नेताओं के साथ-साथ युवा और महिला चेहरों को भी वरीयता देना चाहती है। पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा की टीम में मध्य प्रदेश से कैलाश विजयवर्गीय सहित चार नेताओं को स्थान मिला था। उस दौरान कैलाश विजयवर्गीय राष्ट्रीय महासचिव थे।

अनिवार्य मिड कैरियर प्रशिक्षण के लिए मसूरी जाएंगे 9 आईएएस

6 अप्रैल से लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में होगी ट्रेनिंग

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश कैडर के नौ आईएएस अधिकारी आगामी 6 अप्रैल से 24 अप्रैल के बीच अनिवार्य मिड कैरियर प्रशिक्षण के लिए मसूरी जाएंगे। यह प्रशिक्षण लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में आयोजित किया जाएगा। यह मिड कैरियर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमसीटीपी) के पांचवें चरण का सत्रहवां दौर है, जिसे केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा संचालित किया जाता है।

इस चरण में मध्य प्रदेश के जिन नौ अधिकारियों को शामिल किया गया है, उनमें अलग-अलग बैच के अधिकारी हैं। 1996 बैच के अमित राठौर और फैज अहमद किदवई के प्रशिक्षण को लेकर अंतिम निर्णय योग्यता के आधार पर डीओपीटी द्वारा लिया जाएगा। वहीं 1997 बैच के मनीष सिंह और सुखवीर सिंह के लिए यह प्रशिक्षण तीसरा और अंतिम अवसर है। यदि वे इस बार शामिल नहीं होते हैं तो उन्हें आगे मौका नहीं मिलेगा।

तीन वर्ष से कम अवधि के अधिकारी नामित नहीं: डीओपीटी ने स्पष्ट किया है कि जिन अधिकारियों की सेवा शेष अवधि निर्धारित वर्ष के बाद तीन वर्ष से कम है, उन्हें इस चरण में नामित नहीं किया जाएगा। 31 दिसंबर 2029 से पहले सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी इस कार्यक्रम के लिए पात्र नहीं माने जाएंगे। वहीं जो अधिकारी 31 दिसंबर 2029 के बाद सेवानिवृत्त होंगे, वे प्रशिक्षण के लिए पात्र हैं।

एमसीटीपी के सभी चरण अधिकारियों के लिए अनिवार्य: एमसीटीपी के सभी चरण आईएएस अधिकारियों के लिए अनिवार्य हैं। इसमें लॉजिस्टिक्स प्रबंधन, संस्थागत समन्वय और अकादमिक संसाधनों के साथ अग्रिम योजना भी शामिल होती है।

एमसीटीपी की वेबसाइट पर होगा ऑनलाइन पंजीकरण

डीओपीटी की संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) छवि भारद्वाज ने प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि पात्र अधिकारी 16 मार्च तक एमसीटीपी की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण करें। 23 मार्च तक उनकी भागीदारी की सहमति भी अनिवार्य है। सभी चयनित अधिकारियों को 5 अप्रैल तक मसूरी पहुंचकर प्रशिक्षण के लिए रिपोर्ट करना होगा।

इन अफसरों के लिए पहला और दूसरा मौका

1998 बैच के आकाश त्रिपाठी, मुकेश चंद्र गुप्ता और निकुंज कुमार श्रीवास्तव के लिए यह दूसरा अवसर है, जबकि 1999 बैच के पवन कुमार शर्मा और ई रमेश कुमार के लिए यह पहला अवसर होगा। मिड कैरियर ट्रेनिंग को आईएएस अधिकारियों के करियर विकास की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसमें नीति निर्माण, प्रशासनिक नवाचार, नेतृत्व कौशल और वैश्विक प्रशासनिक रुझानों पर गहन प्रशिक्षण दिया जाता है।

फरवरी में चार बार पलटा एमपी का मौसम

मार्च में भी दिखेगा असर, पारा 34 डिग्री पार

विजय मत, भोपाल

फरवरी माह में एमपी का चार बार मौसम बदला मौसम विभाग के अनुसार होली के आसपास मौसम फिर करवट ले सकता है। 2 मार्च से हिमालयी क्षेत्र में सक्रिय हो रहा वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) प्रदेश तक असर डाल सकता है। खासकर ग्वालियर-चंबल अंचल में बादल, तेज हवाएं और हल्की बारिश की स्थिति बन सकती है। मौसम केंद्र के अनुसार प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक ट्रफ लाइन सक्रिय है। यही वजह है कि शुक्रवार को राजधानी भोपाल सहित कई जिलों में बादलों की आवाजाही बनी रही। हालांकि बादलों के बावजूद दिन के तापमान में कोई खास गिरावट दर्ज नहीं की

गई। ओले और बारिश का दौर थमते ही प्रदेश में गर्मी ने तेजी पकड़ ली है। कई शहरों में दिन का तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जबकि रात का तापमान भी 18 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में दिन का तापमान 27.6 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि अन्य प्रमुख शहरों में 30 डिग्री से ऊपर रहा। सबसे ज्यादा गर्मी खरगोन में रही, जहां पारा 34.8 डिग्री तक पहुंच गया।

रात में भी राहत नहीं

न्यूनतम तापमान की बात करें तो पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा, जहां पारा 9.6 डिग्री तक गिरा। सागर में 18.4 डिग्री और नर्मदापुरम में 18.2 डिग्री दर्ज किया गया। श्योपुर, सिवनी, गुना, खंडवा और टीकमगढ़ में रात का तापमान 16 डिग्री के आसपास रहा, जबकि रतलाम और धार में 17 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। इस बार फरवरी में मौसम ने चार बार पलटी मारी। महीने की शुरुआत में ही दो बार आंधी, बारिश और ओलों का असर देखने को मिला, जिससे गेहूं और चने की फसलों को नुकसान पहुंचा। इसके बाद सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे कराया। 18 फरवरी से तीसरी बार प्रदेश में बारिश का दौर शुरू हुआ, जो 19 से 21 फरवरी तक चला। फिर 23-24 फरवरी को चौथी बार कई जिलों में ओले और बारिश दर्ज की गई।

विजय मत एंकर विकसित मप्र 2047 कार्ययोजना के तहत की जा रही प्लानिंग

उपनगरों व छोटे शहरों तक होगा मेट्रो का विस्तार

विजय मत, भोपाल

मप्र में इंदौर और भोपाल में मेट्रो ट्रेन के संचालन के बाद अब सरकार की योजना है कि इसे दोनों शहरों के आसपास के उपनगरों और छोटे शहरों से जोड़ा जाए। इसके लिए विकसित मप्र 2047 कार्ययोजना के तहत इसकी प्लानिंग की जा रही है। वहीं मेट्रो स्टेशनों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट से जोड़ा जाएगा। दरअसल, इंदौर और भोपाल मेट्रो जिस उम्मीद के साथ शुरू की गई थीं, उसको उतनी सफलता नहीं मिली है। इसलिए सरकार की कोशिश है कि एक बेहतर प्लानिंग बनाकर दोनों शहरों के आसपास के उपनगरों व छोटे शहरों तक मेट्रो का विस्तार किया गया। गौरतलब है कि विधानसभा में विकास एवं आवास विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान मेट्रो परियोजना को लेकर संसदीय कार्य मंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने स्वीकार किया कि अधिकारियों ने मेट्रो की प्लानिंग जनप्रतिनिधियों से चर्चा किए बिना तैयार कर ली और इसे सीधे शहर पर लागू कर दिया। अब सरकार अलाइनमेंट की समीक्षा कर सुधार की कवायद शुरू करेगी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सदन में कहा कि, भोपाल के सांसद आलोक शर्मा और विधायक रामेश्वर शर्मा ने उनसे मेट्रो को लेकर बैठक बुलाने का आग्रह किया है। उन्होंने

आश्वासन दिया कि जल्द ही भोपाल मेट्रो की समीक्षा बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सभी जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर विस्तृत चर्चा की जाएगी। प्रदेश के दो शहर- इंदौर और भोपाल को मेट्रोपॉलिटन रीजन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें इंदौर और भोपाल से जुड़ने वाले शहरों तक मेट्रो रेल का विस्तार किया जाएगा। पहला मेट्रोपॉलिटन एरिया इंदौर, उज्जैन, देवास, धार को मिलाकर बनाया जा रहा है। दूसरा मेट्रोपॉलिटन एरिया भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, ब्यावरा (राजगढ़) को मिलाकर बनाया जा रहा है।

दूसरे शहरों में मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम की तैयारी

सूत्रों का कहना है कि इंदौर और भोपाल जैसे शहरों के मास्टर प्लान लागू करने के बजाए अब सरकार प्रदेश के दूसरे शहरों में मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। नई रणनीति के तहत मेट्रो का उपनगरों तक विस्तार किया जाएगा। विकसित मध्य प्रदेश 2047 की कार्ययोजना के तहत यह प्लानिंग की जा रही है। इसमें भोपाल से विदिशा, भोपाल से नर्मदापुरम और भोपाल से रायसेन के बीच मेट्रो चलाई जाएगी। इसी तरह इंदौर से देवास, इंदौर से महू और इंदौर से उज्जैन के बीच भी मेट्रो का चलाई जाएगी। मेट्रो प्रोजेक्ट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारी, विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय प्रस्तुतीकरण देंगे। इससे पहले मेट्रो के विस्तार के प्रस्तावित शहरों के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाएगी। इंदौर-भोपाल में मेट्रो को पब्लिक ट्रांसपोर्ट से भी जोड़ा जाएगा। मेट्रो स्टेशनों पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे बसें चलाई जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail vijaymat.sdl@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997